राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 03 जुलाई 2024 वर्ष–7,अंक–160 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

असम में तबाही,भारी बारिश और बाढ़ से बह गए कई पुल, संपर्क भी टूटा

गुवाहाटी । (एजेंसी)

असम के भारत-चीन सीमा पर भी कई इलाकों से सड़क मार्ग का संपर्क कट गया है। असम राज्य आपदा प्रबंधन अथॉरिटी के मुताबिक बाढ़ प्रभावित जिलों की संखअया 12 से बढ़कर 19 हो गई है। ईटानगर में भारी बारिश की वजह से 2 से 6 जुलाई तक स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया गया है। असम में बाढ़ की स्थिति बद्तर होती जा रही है और जलस्तर बढ़ने की वजह से काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व में स्थित 233 वन शिविरों में से 26 प्रतिशत से अधिक जलमग्न हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक काजीरंगा वन्य जीव अभयारण्य का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया है और बड़ी संख्या में जानवर ऊंचे स्थान की तलाश में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-715 पार कर पूर्वी कार्बी आंगलोंग जिले के दक्षिणी हिस्से की ओर जा रहे हैं। हालांकि, बाढ़ या सड़क पार करने के दौरान किसी जानवर की मौत की खबर नहीं है। पूर्वी कामेंग जिले में कुरुंग नदी पर बना पुल बाढ़ में बह गया। इसके अलावा कई घर भी बाढ़ की चपेट में आ गए। असम में लगभग 8 हजार लोगों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी है। वहीं तिनसुकिया जिले में सबसे ज्यादा 35 लोगों की मौत हो गई है। बाढ़ को लेकर तैयार रिपोर्ट के मुताबिक काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व में स्थापित 61 वन शिविर डूब गए हैं। जलमग्न वन शिविरों में अगोराटोली रेंज के 22, काजीरंगा के 10, बागोरी के आठ, बूढ़ापहाड़ के पांच और बोकाखाट के छह शिविर शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इनके अलावा राष्ट्रीय उद्यान के बिश्वनाथ वन्यजीव प्रखंड में स्थापित 10 वन शिविर भी जलमग्न हो गए हैं।इस बीच, गोलाघाट जिला प्रशासन ने रविवार शाम को भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के निषेधाज्ञा लागू कर दिया है ताकि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 715 को पार करने वाले जानवरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। यह राजमार्ग काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरता है। गोलाघाट के जिलाधिकारी विवेक श्याम पंग्योक ने बताया कि राजमार्ग पर यातायात का भारी दबाव होता है। उन्होंने कहा, ''बाढ़ के दौरान राजमार्ग पर वाहनों से वन्य जीवों को आवंछित जोखिम पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि जानवर अस्थायी रूप से कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद के अंतर्गत आने वाले प्राकृतिक ऊंचे इलाकों (पहाड़ियों) पर आश्रय के लिए प्रवास करने के लिए गलियारों का उपयोग करते हैं। सोमवार से लागू निषेधाज्ञा के मुताबिक किसी भी व्यावसायिक वाहन को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा केवल निजी वाहन ही दिन के समय नियंत्रित गति से चल सकेंगे। केवल स्थानीय निजी वाहन को ही रात को राष्ट्रीय उद्यान से गुजरने की अनुमति होगी।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को असम में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की और संकट से निपटने के लिए हर संभव मदद का भरोसा दिया। शर्मा ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रह्मपुत्र और उसकी सभी सहायक नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले दो से तीन दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी दी है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुझे फोन कर स्थिति से निपटने के लिए हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और सेना पूरी तरह से तैयार रहेगी। शर्मा ने कहा, सभी मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों को स्थिति पर बारीकी से नजर रखने के लिए कहा गया है।

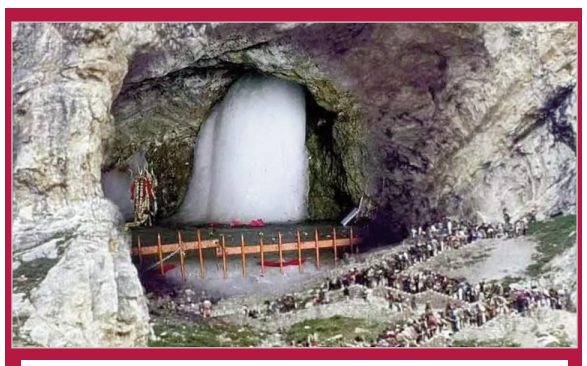

अब तक 51 हजार श्रद्धालुओं ने बाबा अमरनाथ के दर्शन किये

जम्मू । 29 जून को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के बाद से अब तक 51 हजार श्रद्धालु दर्शन किये हैं। मंगलवार को 6 हजार तीर्थयात्रियों का एक जत्था 2 सुरक्षा काफिले के साथ कश्मीर के लिए रवाना हुआ। 6 हजार 537 तीर्थयात्री जम्मू के भगवती नगर से घाटी के लिए रवाना हुए। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से 2106 श्रद्धालु 105 वाहनों के सुरक्षा काफिले के साथ सुबह 3.05 बजे बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए जबकि 4 हजार 431 तीर्थयात्री 156 वाहनों में सवार होकर सुबह 3.50 बजे नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुए। मौसम विभाग ने दोनों यात्रा मार्गों पर आमतौर पर बादल छाए रहने और सुबह हल्की बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान जताया है। यात्री या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग या 14 किलोमीटर वाले छोटे बालटाल मार्ग से पैदल यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में 4 दिन लगते हैं जबकि बालटाल मार्ग से जाने और दर्शन करने के बाद उसी दिन बेस कैंप लौट आते हैं। इस वर्ष की यात्रा के दौरान 7 हजार से अधिक स्वयंसेवक यात्रियों की सेवा कर रहे हैं। यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने कल से अतिरिक्त ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

राहुल गांधी की नागरिकता मामले पर दाखिल याचिका खारिज

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राहुल गांधी की नागरिकता के कथित विवाद के आधार पर सांसद के तौर पर उनके निर्वाचन को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। हालांकि न्यायालय ने याची को नागरिकता कानून के तहत सक्षम प्राधिकारी के समक्ष उक्त मामले को उठाने की छूट दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला की खंडपीठ ने एस विग्नेश शिशिर की याचिका पर पारित किया। याची की ओर से दलील दी गई थी कि राहुल गांधी एक ब्रिटिश नागरिक हैं लिहाजा वह चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हैं और लोकसभा सदस्य का पद नहीं धारण कर सकते। याची की दलील थी कि उसने अपने तर्क के समर्थन में कई दस्तावेज लगाए हैं। वहीं सुनवाई के दौरान न्यायालय ने याची से पूछा कि उसने अपने बारे में विस्तृत जानकारी याचिका में नहीं दी है जबकि जनहित याचिका में क्रेडेंशियल का उल्लेख करना अनिवार्य होता है। इस पर याची का कहना था कि वह कर्नाटक का रहने वाला है, पेशे से किसान है और भारतीय जनता पार्टी का सदस्य रह चुका है। मामले में कुछ देर की बहस के पश्चात याची ने याचिका को वापस लेने की अनुमति देने का अनुरोध किया, साथ ही नागरिकता कानून के तहत सक्षम प्राधिकारी के समक्ष मामला उठाने की छूट देने की भी मांग की, जिसे स्वीकार करते हुए न्यायालय ने याचिका को खारिज कर दिया।

झूठ बोल रहे राहुल गांधी, अयोध्या में 21 हजार से अधिक लोगों को 1733 करोड़ का मुआवजा मिला-योगी

लखनऊ ।

अयोध्या में विस्थापितों को मुआवजा न देने के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उन्होंने संसद में झूठ बोला है। राहुल पर संसद जैसे पवित्र स्थान पर गलतबयानी का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने यह बयान अयोध्या को को बदनाम करने के लिए दिया है। सीएम ने बताया कि अयोध्या में विभिन्न विकास कार्यों के दौरान विस्थापित हुए लोगों को 1733 करोड़ रुपए की धनराशि मुआवजे के तौर पर दी गई है। बता दें कि सोमवार को लोकसभा में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अयोध्या में एयरपोर्ट बना, लोगों से जमीन छीनी। छोटी-छोटी दुकानें तोड़कर लोगों को सड़कों पर ला दिया। लेकिन, आज तक किसी का मुआवजा नहीं मिला। सीएम योगी ने अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में राहुल के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि अयोध्या में 21,548 व्यक्तियों को मुआवजा दिया गया है। इसके अलावा अयोध्या एयरपोर्ट के लिए 952 करोड़, राम जन्मभूमि के विस्थापितों को 14.12 करोड़, भक्ति पथ में 23.66 करोड़, पंचकोसी परिक्रमा मार्ग के लिए 29 करोड़ का मुआवजा और चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग के लिए 119.20 करोड़, अयोध्या बाईपास (रिंग रोड) के लिए 295 करोड़, रामपथ में 114.69 करोड़, रुदौली-रोजागांव रेलवे स्टेशन के मध्य रेलवे दोहरीकरण के निर्माण के लिए 35.03 लाख, एनएच 330 ए के निर्माण के लिए 163.90 करोड़ और एनएच 227 बी के पैकेज 3 के अंतर्गत 21.09 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया है।

मेरे तीसरी बार पीएम बनने पर, छटपट रही कांग्रेस.....व्यवहार में दिख रहा : पीएम मोदी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए सांसदों की बैठक में नसीहत देकर कहा कि सभी सांसदों को संसदीय लोकतंत्र के नियमों एवं प्रक्रियाओं का पालन कर अच्छा सांसद बनना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि गांधी परिवार यह सहन नहीं कर पा रहा है कि उनके परिवार के बाहर का कोई व्यक्ति, एक चाय वाला तीसरी बार पीएम कैसे बन सकता है। इसलिए कांग्रेस के व्यवहार में गुस्सा और हताशा साफ दिख रही है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि मंगलवार को एनडीए सांसदों की पहली बैठक में ऐतिहासिक जीत और तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के लिए एनडीए की तरफ से फूलमाला के साथ पीएम नरेंद्र मोदी का स्वागत और अभिनंदन किया गया। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन के बारे में केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने बताया कि पीएम ने कहा कि हर सांसद देश सेवा के लिए संसद में आया है। सभी सांसदों को संसदीय लोकतंत्र के नियमों एवं प्रक्रियाओं का पालन कर अच्छा सांसद बनना चाहिए। एनडीए के सभी सांसदों को देश को सबसे ऊपर रखकर काम करना है। इसके साथ ही नियमों और प्रक्रियाओं के मुताबिक देश से जुड़े अन्य बड़े विषयों पर भी अपनी बात रखनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने बताया कि पीएम मोदी ने सभी सांसदों को प्रधानमंत्री संग्रहालय जाने की भी सलाह दी। पहले कई पूर्व पीएम को महत्व नहीं दिया था लेकिन मोदी के पीएम बनने के बाद जो पीएम संग्रहालय बना है, उसमें देश के सभी पूर्व पीएम के कार्यों एवं उपलब्धियों के बारे में बताया गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बारे में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का संदेश सबके लिए है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि सोमवार को जैसे विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सदन में व्यवहार किया,जैसे स्पीकर की ओर पीठ करके बोलते रहे, नियमों के बाहर जाकर बोलते रहे, स्पीकर का ही अपमान करते हैं, ऐसा हमारी पार्टी के सांसदों को, एनडीए के सांसदों को नहीं करना चाहिए, यह हम सबके लिए सीख है। उन्होंने कहा कि एनडीए एकजुट होकर बहुत बेहतर काम कर रहा है। एनडीए का फ्लोर कोआर्डिनेशन बहुत अच्छा है।

विशेष कोर्ट में हाजिर नहीं हुए सांसद राहुल गांधी, अब सुनवाई 26 जुलाई को

सुलतानपुर । (एजेंसी)

विधानसभा चुनाव के दौरान बैंगलुरु में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी के प्रेसवार्ता के दौरान तत्कालीन बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में आरोपित कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी मंगलवार को विशेष कोर्ट में हाजिर नही हुए। बचाव पक्ष ने राहुल गांधी के नेता प्रतिपक्ष एंव सदन की कार्रवाई के चलते न आने के मौके व हाजिरी माफी का प्रार्थनापत्र एमपी-एमएलए के विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में दिया। परिवादी के वकील संतोष पांडेय ने विरोध जताते हुए वारंट जारी करने की मांग की। विशेष कोर्ट ने राहुल गांधी के बयान दर्ज करने के लिए 26 जुलाई की तारीख नियत करते हुए आदेश किया कि राहुल गांधी यदि 26 जुलाई को नही हाजिर होते हैं तब उनके खिलाफ उत्पीड़न की कारवाई की जायेगी। कोतवाली देहात थानाक्षेत्र के हनुमानगंज निवासी बीजेपी नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी के खिलाफ गृहमंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया है। राहुल गांधी के खिलाफ चार अगस्त 2018 को मानहानि का वाद दायर किया गया था। मामले में राहुल गांधी की जमानत कोर्ट से हो चुकी है

पीएम मोदी की ना.....एससीओ में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे विदेश मंत्री

नई दिल्ली । (एजेंसी)

केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने को तैयार है। जिसमें बहुपक्षीय सहयोग के लिए मार्ग तैयार करने और अफगानिस्तान की स्थिति जैसे क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने औपचारिक रूप से घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बैठक में शामिल न होने के फैसले के बाद विदेश मंत्री जयशंकर भारतीय पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले है। एससीओ राष्ट्राध्यक्ष परिषद की 24वीं बैठक या एससीओ शिखर सम्मेलन, 4 जुलाई को कजाकिस्तान द्वारा अस्ताना में होगा। मंत्रालय ने कहा, शिखर सम्मेलन में नेताओं द्वारा संगठन की पिछले दो दशकों की गतिविधियों की समीक्षा करने और बहुपक्षीय सहयोग की स्थिति और संभावनाओं पर चर्चा करने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है कि क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के सामयिक मुद्दों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। सरकार के सूत्रों ने बताया कि हालांकि पीएम मोदी ने बैठक में शामिल न होने का निर्णय लिया है, लेकिन भारतीय पक्ष उनके द्वारा वीडियो के माध्यम से सभा को संबोधित करने की संभावना पर विचार कर रहा है। मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा है कि प्रधानमंत्री का संसद के चालू सत्र में व्यस्त होना, जो 3 जुलाई को समाप्त होने वाला है, शिखर सम्मेलन में भाग न लेने का मुख्य कारण था।

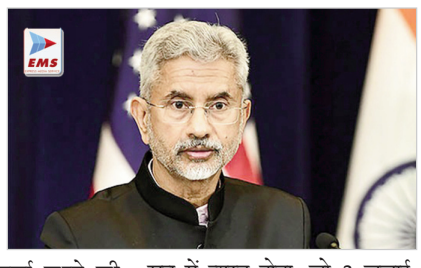

हालांकि शिखर सम्मेलन के दौरान जयशंकर द्वारा कई द्विपक्षीय बैठकें, विशेषकर मध्य एशियाई देशों के नेताओं के साथ, करने की उम्मीद है, लेकिन चीनी और पाकिस्तानी पक्षों के साथ किसी संभावित मुलाकात के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।

गडकरी पहली बार देश में बना रहे ऐसा हाईटेक हाईवे

गुजरने पर याद आएगा अमेरिका

नई दिल्ली । (एजेंसी)

देश में अब हाईटेक हाईवे और एक्सप्रेसवे बन रहे हैं। इसमें 8 लेन, 4 लेन और एलिवेटेड एक्सप्रेसवे शामिल हैं। खास बात है कि इन एक्सप्रेसवे पर ऑटोमेटिक टोल सिस्टम सहित कई अन्य सुविधाएं दी जाएगी। इसी कड़ी में देश में एक इसतरह के हाईवे प्रोजेक्ट पर काम हो रहा है, इसमें 85 किलोमीटर लंबी सड़क जमीन के अंदर से गुजरेगी। हिमाचल प्रदेश में 85 किलोमीटर फोरलेन जमीन के नीचे बनकर तैयार होगा। इस फोरलेन प्रोजेक्ट के लिए एनएचएआई ने केंद्र और पर्यावरण मंत्रालय से जरूरी मंजूरी हासिल कर ली है। इस 85 किलोमीटर लंबे हाईवे में कई सुरंगें बनेगी। दरअसल हिमाचल में कई हाईवे पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया 68 सुरंगों का निर्माण करने जा रहा है। इसमें से 11 टनल का काम पूरा हो चुका है, जबकि 27 सुरंगों पर काम चल रहा है। इन फोरलेन हाईवे के कंस्ट्रक्शन के लिए 50 प्रतिशत से ज्यादा डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। दरअसल पिछले साल हिमाचल में बारिश के दौरान आई आपदा के कारण कीरतपुर-मनाली हाईवे पर कुल्लू और मंडी में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ था। इसके अलावा, पठानकोट-मंडी और पिंजौर-नालागढ़ भी आपदा से प्रभावित हुए थे। इन हाईवे को हुए नुकसान के बाद एनएचएआई को हाईवे का सर्वे करने के बाद सुरंग बनाने के सुझाव मिले थे। इन पर अमल करते हुए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ने फोरलेन के ज्यादातर हिस्से को टनल के जरिए गुजारने की तैयारी कर ली है। इन सुरंगों के बनने से प्रदेश के सभी फोरलेन में 126 किलोमीटर की दूरी कम होगी और यात्रियों के 13 घंटे का सफर कम हो जाएगा। इसके अलावा, हिमाचल में होने वाली बर्फबारी और बारिश से भी यातायात प्रभावित नहीं होगा। हिमाचल में पठानकोट-मंडी, कालका-शिमला, शिमला-मटौर, कीरतपुर-मनाली और पिंजौर-नालागढ़ नेशनल हाईवे का निर्माण कार्य जारी है। इन हाईवे पर 68 सुरंगें बन रही हैं। इसमें से कीरतपुर-मनाली में 41 किलोमीटर लंबे हाईवे पर 28 टनल प्रस्तावित हैं।

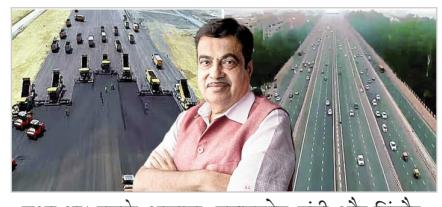

सदन में भिड़े उपराष्ट्रपति और खरगे

कभी किसी ने कुर्सी का इतना अपमान नहीं किया, जितना आपने किया

नई दिल्ली । (एजेंसी)

राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान मंगलवार को सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के बीच तीखी बहस हो गई। इस दौरान सभापति ने खरगे के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आपने कुर्सी का जितना अपमान किया है, उतना किसी ने नहीं किया। धनखड़ ने चेतावनी देते हुए कहा कि आप हर बार कुर्सी को नीचा नहीं दिखा सकते।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी अपने संबोधन में केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे थे। उन्होंने मणिपुर, काले धन और लद्दाख के मुद्दे पर केंद्र पर हमला बोला और आरोप लगाया कि सरकार ने बीते 10 वर्षों में जो वादे किए थे, उन्हें पूरा नहीं किया गया। प्रमोद तिवारी जब ये कह रहे थे तो कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने बीच में कुछ कहना शुरू कर दिया, जिस पर सभापति ने कड़ी आपत्ति ली। इसके बाद प्रमोद तिवारी ने फिर से अपना संबोधन शुरू करते हुए पेट्रोल डीजल के दामों के मुद्दे पर केंद्र पर हमला बोला और कहा कि दुनिया के बाजारों में तेल के दाम घटे और यहां बढ़े, इसमें प्रधानमंत्री के अपने दोस्तों यारों का कुछ है....। इस पर सभापति ने प्रमोद तिवारी को टोका कि बिना तथ्यों के आधार पर ऐसे आरोप मत लगाइए। इस दौरान फिर से जयराम रमेश ने अपनी सीट से खड़े होकर कुछ कहना शुरू कर दिया।

मुझे सोनिया गांधी ने बनाया है

इसके बाद सभापति ने फिर से जयराम रमेश के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए तंज कसा कि जयराम रमेश इतने समझदार है कि उन्हें खरगे की जगह बैठना चाहिए। इस पर खरगे ने आपत्ति ली और बराबर में बैठीं सोनिया गांधी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि मुझे बनाने (राज्यसभा में विपक्ष का नेता) वाले यहां बैठे हैं श्रीमति सोनिया गांधी। न रमेश मुझे बना सकता है और न आप मुझे बना सकते हैं। खरगे के इस बयान पर सभापति जगदीप धनखड़ नाराज हो गए। उन्होंने कहा आप हर बार कुर्सी को नीचा नहीं दिखा सकते। आप हर बार कुर्सी का अनादर नहीं कर सकते... आप अचानक खड़े हो जाते हैं और बिना यह समझे कि मैं क्या कह रहा हूं, कुछ भी बोल देते हैं। इस देश और संसदीय लोकतंत्र और राज्यसभा की कार्यवाही के इतिहास में कुर्सी के प्रति इतनी अवहेलना कभी नहीं हुई, जितनी आपने की। अब आपको आत्मचिंतन करने का समय आ गया है।

सबके लिए त्वरित न्याय की अवधारणा पर आधारित हैं नये आपराधिक कानून

डॉ. मोहन यादव

पिछले दशक में प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने धार्मिक कट्टरवाद और आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाया है। आतंकवाद और उग्रवाद को लेकर सरकार की शून्य-सहिष्णुता नीतियों और कार्यों के कारण ये ताकतें अब रक्षात्मक मुद्रा में हैं।इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने यूएपीए समेत संबंधित अधिनियमों में आवश्यक संशोधन किए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी को विदेशों में भारतीयों और भारतीय हितों से संबंधित आतंकी अपराधों की जांच करने का अधिकार दिया गया है। नए आपराधिक कानूनों ने अनुपस्थिति में मुकदमे की अनुमति देकर इस बदलाव को और मजबूत किया है।

भारत में आपराधिक कानूनों में परिवर्तन और सुधार एक महत्वपूर्ण विषय है, जो समाज की बदलती आवश्यकताओं और न्याय की आवश्यकता को पूरा करने के लिए समय-समय पर किया जाता है। हाल ही में, भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे आपराधिक कानूनों को संसद में पारित किया गया। अब एक जुलाई 2024 से पूरे देश में यह लागू हो रहा है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह ने संसद में कानून को पेश करते हुए कहा कि खत्म होने वाले ये तीनों कानून अंग्रेजी शासन को मजबूत करने और उसकी रक्षा करने के लिए बनाए गए थे ।इनका उद्देश्य दंड देने का था, न की न्याय देने का। तीन नए कानून की आत्मा भारतीय नागरिकों को संविधान में दिए गए सभी अधिकारों की रक्षा करना, इनका उद्देश्य दंड देना नहीं बल्कि न्याय देना होगा। भारतीय आत्मा के साथ बनाए गए इन तीन कानूनों से हमारे क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बहुत बड़ा परिवर्तन आएगा।

पुराने कानूनों में गुलामी की बू आती थी। ये तीनों पुराने कानून गुलामी की निशानियों से भरे हुए थे क्योंकि इन्हें ब्रिटेन की संसद ने पारित किया था और हमने सिर्फ इन्हें अपनाया था। इन कानूनों में पार्लियामेंट ऑफ यूनाइटेड किंगडम, प्रोविंशियल एक्ट, नोटिफिकेशन बाई द क्राउन रिप्रेजेन्टेटिव, लंदन गैजेट, ज्यूरी और बैरिस्टर, लाहौर गवर्नमेंट, कॉमनवेल्थ के प्रस्ताव, यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड आयरलैंड पार्लियामेंट का जिक्र है। इन कानूनों में हर मैजेस्टी और बाइ द प्रिवी काउंसिल के रेफरेंस दिए गए हैं, कॉपीज एंड एक्सट्रैक्ट्स कंटेट इन द लंदन गैजेट के आधार पर इन कानूनों को बनाया गया, पजेशन ऑफ द ब्रिटिश क्राउन, कोर्ट ऑफ जस्टिस इन इंग्लैंड और हर मैजेस्टी डॉमिनियन्स का भी जिक्र इन कानूनों में कई स्थानों पर है। अच्छी बात यह कि गुलामी की निशानियों को पूरी तरह मिटा दिया गया है। जिसके तहत 475 जगह गुलामी की निशानियों को समाप्त कर दिया गया है। हमारे क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बहुत समय लगता है, कई बार न्याय इतनी देर से मिलता है कि न्याय का कोई मतलब ही नहीं रह जाता है, लोगों की श्रद्धा उठ जाती है और अदालत में जाने से डरते हैं।

इन कानूनों को बनाने के पीछे बहुत लंबी प्रक्रिया रही है। इन कानूनों को आज के समय के अनुरूप बनाने में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अगस्त, 2019 में सर्वोच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीशों, देश के सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों और देश के सभी कानून विश्वविद्यालयों को पत्र लिखे थे। वर्ष 2020 में सभी, महामहिम राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों और सांसदों एवं संघ-शासित प्रदेशों के महामहिम प्रशासकों को पत्र लिखे गए। इसके बाद व्यापक परामर्श के बाद ये प्रक्रिया कानून बनने जा रही है। इसके लिए 18 राज्यों, 6 संघशासित प्रदेशों, सुप्रीम कोर्ट, 16 हाई कोर्ट, 5 न्यायिक अकादमी, 22 विधि विश्वविद्यालय, 142 सांसद, लगभग 270 विधायकों और जनता ने इन नए कानूनों पर अपने सुझाव दिए हैं। यह प्रक्रिया सरल नहीं थी, काफी मेहनत की गई बीते 4 सालों में। खूब विचार विमर्श किया गया है। इस संदर्भ में हुई 158 बैठकों में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह उपस्थित रहे हैं।

इन कानूनों में क्या बदलाव हुआ है, इस पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने बताया कि आज तक आतंकवाद से परिचित सभी थे लेकिन आतंकवाद की परिभाषा, व्याख्या नहीं थी। अब ऐसा नहीं रहेगा। अब अलगाव, सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियां, अलगाववाद, भारत की एकता, संप्रभुता और अखंडता को चुनौती देने जैसे अपराधों की पहली बार इस कानून में व्याख्या की गई है। इससे जुड़ी संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार भी दिया गया है। जांचकर्ता पुलिस अधिकारी के संज्ञान पर कोर्ट इसका आदेश देगा। गौरतलब है कि अनुपस्थिति में ट्रायल के बारे में केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला किया है। सेशंस कोर्ट के जज द्वारा प्रक्रिया के बाद भगोड़ा घोषित किए गए व्यक्ति की अनुपस्थिति में ट्रायल होगा और उसे सजा भी सुनाई जाएगी, चाहे वो दुनिया में कहीं भी छिपा हो। उसे सजा के खिलाफ अपील करने के लिए भारतीय कानून और अदालत की शरण में आना होगा। अभी तक देखा गया है कि देश भर के पुलिस स्टेशनों में बड़ी संख्या में केस संपत्तियां पड़ी रहती हैं। अब इस ओर भी तेजी लाई जाएगी। यानी अब इनकी वीडियोग्राफी करके सत्यापित प्रति कोर्ट में जमा करके इनका निपटारा किया जा सकेगा।

इन कानूनों में अत्याधुनिकतम तकनीकों को समाहित किया गया है। दस्तावेजों की परिभाषा का विस्तार कर इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड्स, ई-मेल, सर्वर लॉग्स, कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन, लैपटॉप्स, एसएमएस, वेबसाइट, लोकेशनल साक्ष्य, डिवाइस पर उपलब्ध मेल और मैसेजेस को कानूनी वैधता दी गई है, जिनसे अदालतों में लगने वाले कागजों के अंबार से मुक्ति मिलेगी। इस कानून को डिजिटलाइज किया गया है, यानी एफआईआर से केस डायरी, केस डायरी से चार्जशीट और चार्जशीट से जजमेंट तक की सारी प्रक्रिया को डिजिटलाइज करने का प्रावधान इस कानून में किया गया है। अभी सिर्फ आरोपी की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हो सकती है, लेकिन अब पूरा ट्रायल, क्रॉस क्वेश्चनिंग (१ङ्ग२२ ०ॅ४ी२३ङ्गल्लल्लॅ) सहित, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संभव होगी। शिकायतकर्ता और गवाहों का परीक्षण, जांच-पड़ताल और मुकदमे में साक्ष्यों की रिकॉर्डिंग और उच्च न्यायालय के मुकदमे और पूरी अपीलीय कार्यवाही भी अब डिजिटली संभव होगी। सर्च और जब्ती के समय वीडियोग्राफी को अनिवार्य कर दिया है, जो केस का हिस्सा होगी और इससे निर्दोष नागरिकों को फंसाया नहीं जा सकेगा। पुलिस द्वारा ऐसी रिकॉर्डिंग के बिना कोई भी चार्जशीट वैध नहीं होगी।

आजादी के 75 सालों के बाद भी दोष सिद्धि का प्रमाण बहुत कम है। यही कारण है कि मोदी सरकार ने फॉरेंसिक साइंस को बढ़ावा देने का काम किया है। तीन साल के बाद हर साल 33 हजार फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स और साइंटिस्ट्स देश को मिलेंगे। साथ ही श्री अमित शाह ने लक्ष्य रखा है कि दोष सिद्धि के प्रमाण को 90 प्रतिशत से ऊपर लेकर जाना है। इसके लिए एक महत्वपूर्ण प्रावधान किया गया है कि 7 वर्ष या इससे अधिक सजा वाले अपराधों के क्राइम सीन पर फॉरेंसिक टीम की विजिट को अनिवार्य किया जा रहा है। इसके माध्यम से पुलिस के पास एक वैज्ञानिक साक्ष्य होगा जिसके बाद कोर्ट में दोषियों के बरी होने की संभावना बहुत कम हो जाएगी। वर्ष 2027 से पहले देश की सभी अदालतों को कंप्यूटराइज्ड कर दिया जाएगा। इसी प्रकार मोबाइल फॉरेंसिक वैन का भी अनुभव किया जा चुका है। दिल्ली इसका उदाहरण है। दिल्ली में इसका सफल प्रयोग किया गया। इसके तहत 7 वर्ष से अधिक सजा के प्रावधान वाले किसी भी अपराध के स्थल पर फॉरेंसिक साइंस लैबरोटरी (एफएसएल) की टीम पहुंचती है। इतना ही नहीं मोबाइल एफएसएल को भी लॉन्च किया गया। बता दें कि यह संकल्पना पूर्ण रूप से सफल है। यही वजह है कि अब हर जिले में 3 मोबाइल एफएसएल रहेंगी और अपराध स्थल पर जाएंगी।

यौन हिंसा के मामले में भी पहले के कानून में फेर-बदल किया गया है। इसके अंतगर्त यौन हिंसा के मामले में पीड़ित का बयान अनिवार्य कर दिया गया है और यौन उत्पीड़न के मामले में बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग भी अब अनिवार्य कर दी गई है। पुलिस को 90 दिनों में शिकायत का स्टेटस और उसके बाद हर 15 दिनों में फरियादी को स्टेटस देना अनिवार्य होगा। पीड़ित को सुने बिना कोई भी सरकार 7 वर्ष या उससे अधिक के कारावास का केस वापस नहीं ले सकेगी, इससे नागरिकों के अधिकारों की रक्षा होगी। ऐसा पहली बार हुआ है कि कम्युनिटी सर्विस को सजा के रूप में इस कानून के तहत लाया जा रहा है। छोटे मामलों में समरी ट्रायल का दायरा भी बढ़ा दिया गया है। अब 3 साल तक की सजा वाले अपराध समरी ट्रायल में शामिल हो जाएंगे। इस अकेले प्रावधान से ही सेशंस कोर्ट्स में 40 प्रतिशत से अधिक केस समाप्त हो जाएंगे। आरोप पत्र दाखिल करने के लिए 90 दिनों की समय सीमा तय कर दी गई है और परिस्थिति देखकर अदालत आगे 90 दिनों की परमिशन और दे सकेंगी। इस प्रकार 180 दिनों के अंदर जांच समाप्त कर ट्रायल के लिए भेज देना होगा। कोर्ट अब आरोपित व्यक्ति को आरोप तय करने का नोटिस 60 दिनों में देने के लिए बाध्य होंगे। बहस पूरी होने के 30 दिनों के अंदर माननीय न्यायाधीश को फैसला देना होगा, इससे सालों तक निर्णय लंबित नहीं रहेगा और फैसला 7 दिनों के अंदर ऑनलाइन उपलब्ध कराना होगा।

पुराने आपराधिक कानूनों को निरस्त करना और नए कानूनों को अपनाना देश की वर्तमान वास्तविकताओं को दशार्ता है। भारतीय लोकाचार और संस्कृति को प्रतिबिंबित करने के लिए इन कानूनों का नाम बदला गया। जैसे कि भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 - पुरातन ब्रिटिश औपनिवेशिक युग से प्रस्थान का प्रतीक है, जिसमें सजा पर न्याय पर जोर दिया जाता है।

पिछले दशक में प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने धार्मिक कट्टरवाद और आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाया है। आतंकवाद और उग्रवाद को लेकर सरकार की शून्य-सहिष्णुता नीतियों और कार्यों के कारण ये ताकतें अब रक्षात्मक मुद्रा में हैं।इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने यूएपीए समेत संबंधित अधिनियमों में आवश्यक संशोधन किए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी को विदेशों में भारतीयों और भारतीय हितों से संबंधित आतंकी अपराधों की जांच करने का अधिकार दिया गया है। नए आपराधिक कानूनों ने अनुपस्थिति में मुकदमे की अनुमति देकर इस बदलाव को और मजबूत किया है। (लखेक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

संपादकीय

एक सार्थक पहल

हर कोई अपनी मां के लिए पेड़ लगा रहा है। चाहे वह अमीर हो या गरीब, चाहे वे कामकाजी महिलाएं हों या घरेलू। मां के नाम पेड़ लगाने के अभियान से मां का तो सम्मान होगा ही साथ में धरती मां की रक्षा भी होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आकाशवाणी के मासिक कार्यक्रम ह्यमन की बातह्ण के दौरान ये बातें कही। विश्व पर्यावरण दिवस यानी 5 जून को शुरू किए गए ह्यएक पेड़ मां के नामह्ण अभियान की चर्चा के दौरान उन्होंने यह कहा। 2024 के लोक सभा चुनाव के लिए मोदी ने देशवासियों का धन्यवाद ज्ञापन किया और कहा कि यह दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था, जिसमें पैंसठ करोड़ लोगों ने मत डाले। वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम की हौसलाफजाई भी नहीं भूलें। उन्होंने जनता से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए हैशटैग ह्यचीयर 4 भारतह्ण का प्रयोग करने का आग्रह भी किया। चूंकि कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों तक प्रधानमंत्री की आवाज सीधा पहुंचाना है। दूर-दराज व ग्रामीण इलाकों तक संदेश पहुंचाने के लिए इसे टीवी व यू-ट ?ूब के साथ रेडियो पर प्रसारित किया जाता है। 2014 के सव्रेक्षण के अनुसार इसे 66.7 फीसद आबादी द्वारा सुना गया। साथ ही यह आकाशवाणी के लिए राजस्व जुटाने का प्रमुख कार्यक्रम बन चुका है। नि:संदेह ह्यमन की बातह्ण कार्यक्रम द्वारा मोदी ने खास वर्ग के दिलों को छूने का काम किया है। ग्लोबल वार्मिंग की मार झेल रहे नागरिकों को मां के नाम पर पौधा रोपने के लिए प्रोत्साहित करना, बेहतरीन नतीजे दे सकता है। पेड़ का आज के समय में कितना महत्त्व है, यह जगजाहिर है। हमारी परंपरा व परिवार के अटूट बंधन की यही तो बुनियाद है। हालांकि देश के मुखिया को जबरदस्त बारिश, बाढ़, पीने के पानी की कमी जैसी बुनियादी दिक्कतों की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए। राज्य सरकारों की नकेल कसते हुए उन्हें प्राकृतिक आपदाओं और बुनियादी जरूरत के प्रति जवाबदेह बनाना होगा। लोग सिर्फ पौधे लगा कर उन्हें छोड़ न दें, बल्कि उनकी उचित देखभाल का जिम्मा भी लें। अगर ऐसा नहीं किया गया तो आने वाले वक्त में हमें और आने वाली पीढ़ी को कई तरह की दुारियां झेलनी पड़ सकती है।

चिंतन-मनन

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।

सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वातार्लाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।।

की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निरूशंक देख रहा हूं।

मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे।

हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

संसद में दिया गया राहुल गांधी का भाषण चचाओं में

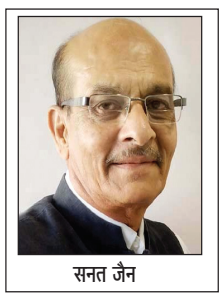

सनत जैन

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के पहले, विपक्ष नीट वाले मामले की चर्चा करना चाहता था। सरकार ने स्थगन प्रस्ताव मंजूर नहीं किया। सरकार और आसंदी का कहना था। राष्ट्रपति के धन्यवाद प्रस्ताव पर विपक्ष अपनी बात कह सकता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान स्थगन या अन्य प्रस्ताव पर चर्चा की अनुमति नहीं दी जा सकती है। सरकार को भरोसा था, स्थगन प्रस्ताव को लेकर विपक्ष हो-हल्ला और हंगामा करेगा। धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा में भाग नहीं लेगा। सरकार विपक्ष के ऊपर आरोप लगाएगी। विपक्ष चर्चा ही नहीं करना चाहता है। इससे सरकार को नीट का मामला डाइवर्ट करने में मदद मिलती। विपक्ष भी अब सत्ता पक्ष की चाल को समझने लगा है।

राष्ट्रपति के धन्यवाद प्रस्ताव पर विपक्ष चर्चा करने के लिए तैयार हो गया। सत्ता पक्ष की ओर से पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुरूआत की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियां और अयोध्या मैं राम मंदिर के निर्माण और विकास को अपने भाषण में शामिल किया। अनुराग ठाकुर ने सरकार और प्रधानमंत्री मोदी की जो उपलब्धियां बताई थी। उसी को आधार बनाकर राहुल गांधी ने विपक्ष की ओर से अपना पक्ष रखा। राहुल गांधी ने अयोध्या मामले में हिंदू और नफरत को राम मंदिर ओर अयोध्या के विकास से जोड़कर ,जिस तरह अहिंसा और हिंदू की व्याख्या की। वह तारीफ करने योग्य थी। राहुल गांधी ने अपने भाषण में भगवान शिव, गुरु नानक देव, यीशु मसीह, भगवान राम के अहिंसा संदेशों की याद दिलाते हुए कहा, किसी ने भी हिंसा का कभी समर्थन नहीं किया। हिंदुत्व,अग्निवीर,पेपर लीक एवं कोटा का उल्लेख करते हुए,उन्होंने सरकार के ऊपर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी भारतीय जनता पार्टी की राजनीति को समझ गए हैं। उन्होंने डर और भय की राजनीति से दूर रहने के लिए कहा। उन्होंने सदन के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर निशाना साधते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह,सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और भाजपा के अंदर प्रधानमंत्री मोदी के भय का उल्लेख करते हुए, सत्ता पक्ष को निशाने पर लिया। आसंदी को उन्होंने सर्वोच्च बताते हुए किसी के सामने नहीं झुकने की सलाह दे डाली। अडानी और अंबानी का भी उल्लेख उन्होंने नोटबंदी से जोड़कर कर दिया। सांप्रदायिक आधार पर लोगों के बांटने पर उन्होंने सरकार को घेरा। उन्होंने यह भी कह दिया, हिंदू समाज कभी हिंसक नहीं हो सकती है। एक तरह से उन्होंने भाजपा और उनके सभी सहयोगी संगठनों को हिंदू के नाम पर हिंसक बताने का काम किया।

बहरहाल राहुल गांधी के 1 घंटे 40 मिनट के भाषण को लेकर, जिस तरह की प्रतिक्रिया सारे देश में हो रही है। उसमें विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें सराहा गया है। वहीं सदन में सरकार को हर मुद्दे में घेरने में सफल हुए हैं। यह अलग बात है, राहुल गांधी के भाषण के कई अंश लोकसभा की कार्रवाई से हटा दिए गए हैं। डिजिटल मीडिया के जमाने में लोकसभा की कार्रवाई लाइव चल रही थी। राहुल ने जो भी बोला, वह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करोड़ों लोगों तक तुरंत पहुंच गया। स्थगन प्रस्ताव सरकार और लोकसभा अध्यक्ष ने भले स्वीकार नहीं किया। राहुल गांधी ने जिस तरह से परीक्षा मे हो रही गड़बड़ी,अग्निवीर, सत्य- अहिंसा ओर हिंदू की व्याख्या की है। राहुल गांधी ने कहा हिंदू कभी हिंसक नहीं हो सकता है। जो हिंसक है, वह हिंदू नहीं हो सकता है। हिंदुत्व और हिंदू धर्म को लेकर उन्होंने सत्ता पक्ष के लिए कड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।

राहुल गांधी ने संसद के अंदर जनता की समस्याओं को मजबूती के साथ रखा है। राहुल गांधी के भाषण की चर्चा सारे देश और दुनिया में हो रही है। राहुल गांधी की जो छबि बनाई गई थी। नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी की छवि ठीक उसके विपरीत नजर आई, यही राहुल गांधी और विपक्ष की सफलता है।

मुद्दाः अर्थव्यवस्था को मजबूती देते प्रवासी

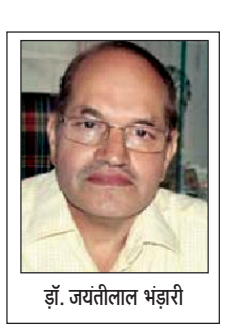

डॉ. जयंतीलाल भंड़ारी

हाल ही में 27 जून को यूनाइटेड नेशंस माइग्रेशन एजेंसी के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय प्रवासियों के द्वारा वर्ष 2023-24 में भेजा गया रेमिटेंस (प्रवासियों के द्वारा अपने घर भेजा गया धन) दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले सबसे ज्यादा है। पिछले वर्ष में यह रेमिटेंस 107 अरब डॉलर यानी 8.95 लाख करोड़ रुपए की ऊंचाई पर है। खास बात यह है कि पिछले वर्ष में भारतीयों द्वारा भेजी गई यह रकम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) से लगभग दो गुना है। यह लगातार दूसरा साल है, जब भारतीयों ने 100 अरब डॉलर से ज्यादा की धनराशि भारत भेजी है। पिछले वर्ष 2022-23 में भारतीय प्रवासियों ने 111 अरब डॉलर का रेमिटेंस भारत भेजा था। ज्ञातव्य है कि भारत के बाद मेक्सिको, चीन, फिलीपींस और खंस सबसे ज्यादा रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देश है।

यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि पिछले एक दशक में भारत में लगातार अन्य देशों के मुकाबले रेमिटेंस सबसे अधिक रहा है। भारत में वर्ष 2010 में रेमिटेंस के तौर पर 53.48 अरब डॉलर आए थे। वहीं ये वर्ष 2015 में बढ़कर 68.19 अरब डॉलर और वर्ष 2020 में 86.15 अरब डॉलर हो गए हैं। प्रवासी भारतीयों की से भारत भेजा गया धन वर्ष 2021-22 में 86.57 अरब ड़ॉलर था। प्रवासियों का यह धन जहां प्रवासियों के परिजनों को मुस्कुराहट दे रहा है, वहीं अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभप्रद है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जब कोविड-19 के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 7.3 फीसद की ऋणात्मक विकास दर की स्थिति में पहुंच गई थी और बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार बंद होने के कारण देश में आर्थिक-सामाजिक परेशानियां बढ़ गई थी, उस समय आर्थिक मुश्किलों के बीच भारतीय प्रवासियों के द्वारा भेजी गई बड़ी धनराशि से भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला था। गौरतलब है कि दुनिया में प्रवासी भारतीयों की संख्या करीब 1 करोड़ 80 लाख है। दुनियाभर में सबसे ज्यादा प्रवासी भारत के हैं। सबसे ज्यादा भारतीय प्रवासी संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब में रहते हैं। पहले जहां भारत से अकुशल श्रमिक कम आय वाले खाड़ी देशों में जाते थे, वहीं अब विदेश जाने वाले भारतीयों में हाई स्किल्ड लोगों की संख्या ज्यादा है जो अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे उच्च आय वाले देशों में जा रहे हैं। ऐसे में वे अधिक कमाई करके अधिक धन भारत भेज रहे हैं। निसंदेह प्रवासी भारतीय भारत की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी शक्ति बढ़ाने में भी अहम सहयोग कर रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के कोने-कोने में भारतवंशी और प्रवासी भारतीयों की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती ऊंचाई भारत के तेज विकास के मद्देनजर महत्त्वपूर्ण हो गई है। इतना ही नहीं भारतवंशी व प्रवासी भारतीय वैश्विक आर्थिक व वित्तीय संस्थानों आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में भी बहुत आगे हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला, गूगल के सुंदर पिचाई, नोवार्टिस के वसंत नरसिम्हन आदि अपनी प्रतिभा, कौशल से कारोबार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया की अगुवाई कर रहे हैं और भारत के विकास के सहभागी भी बन रहे हैं। इस समय 18वीं लोक सभा चुनाव के बाद भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की एनडीए गठबंधन सरकार बनने के बाद प्रवासियों का कहना है कि एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी नई सरकार से प्रवासियों को भारत के विकास में सहयोग और सहभागिता करने के मद्देनजर नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

अमेरिका में कार्यरत भारतीय अमेरिकी डेमोक्रेटिक फंडराइजर तथा भारत हितैषी प्रवासियों के विभिन्न संगठनों का कहना है कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया के आर्थिक और राजनीतिक मंचों पर जिस तरह भारत की सफलताओं का परचम फहराया है, उससे प्रवासियों के द्वारा गर्व अनुभव किया जा रहा है। उनका मानना है कि पिछले 10 वर्षों में भारत की सुरक्षा में सुधार हुआ है। सरकार ने आतंकवादी खतरों या आतंकवादी घटनाओं को नियंत्रित कर दिया है। सरकार की नीतियां भारत को आगे बढ़ा रही हैं। ज्ञातव्य है कि जहां वर्ष 2023 में इस्राइल और हमास आतंकियों के बीच चल रहे संघर्ष के बीच इस्राइल में फंसे भारतीय नागरिकों और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए भारत ने 'ऑपरेशन अजय' चलाया है। साथ ही वर्ष 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूक्रेन में भारतीय समुदाय सीधे खतरे में आ गया था। तब 'ऑपरेशन गंगा' के तहत बड़ी संख्या में भारतीयों को सुरक्षित भारत वापस लाया गया था। इसमें कोई दो मत नहीं कि अभी भारत द्वारा अपने प्रवासियों के दुख-दर्द को कम करने में और अधिक सहयोग किया जाना होगा। भारत सरकार की और अधिक सक्रियता जरूरी है। हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में एनडीए गठबंधन की नई सरकार के द्वारा प्रवासियों के साथ स्नेह व सहभागिता के नए अध्याय लिखे जा सकेंगे।

जून में देश में ईवी वाहनों की बिक्री 14 फीसदी घटी

नई दिल्ली । देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री में मई के मुकाबले जून के महीने में 14 प्रतिशत की तीव्र गिरावट देखी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी नीतियों में बदलाव और हाइब्रिड वाहनों के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि जैसे कारकों की वजह से ऐसा हो सकता है। अलबत्ता जून 2024 की यह बिक्री पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 20 प्रतिशत से अधिक रही। तब सब्सिडी में सरकारी बदलावों के कारण बिक्री में गिरावट आई थी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के वाहन के आंकड़ों के अनुसार जून 2024 में ईवी की बिक्री मई में की गई 1,23,704 ईवी बिक्री की तुलना में 14 प्रतिशत से भी ज्यादा घटकर 1,06,081 रह गई। यह इस कैलेंडर वर्ष में बिक्री की सबसे कम संख्या है। इस साल अब तक करीब 8,39,545 इलेक्ट्रिक वाहन बेचे गए हैं जो कुल बिके 1,25,41,684 वाहनों का करीब 6.69 प्रतिशत है। ईवी के मामले में इस साल और पिछले साल जून सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला महीना रहा है। हालांकि जून 2024 में बड़ा सुधार नजर आया जिसमें 1,23,704 वाहनों का पंजीकरण किया गया जो जून 2023 में पंजीकृत 1,02,645 वाहनों की तुलना में 20.52 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। पिछले साल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए अधिकतम सब्सिडी को लगभग 60,000 रुपए से घटाकर लगभग 22,500 रुपए करने के केंद्र सरकार के फैसले की वजह से ईवी की बिक्री में गिरावट आई थी। इस कदम से ई-दोपहिया वाहनों की औसत कीमत में 20 प्रतिशत से ज्यादा का इजाफा हो गया जो आम तौर पर 80,000 से 1,50,000 रुपए के बीच होती है।

कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ा

नई दिल्ली । सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को मंगलवार से 3,250 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 6,000 रुपये प्रति टन कर दिया है। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को शून्य पर बरकरार रखा गया है। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार नई दरें दो जुलाई से प्रभावी हो गईं। भारत ने पहली बार एक जुलाई 2022 को अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाया और उन देशों में शामिल हो गया जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाते हैं। कर दरों की समीक्षा प्रत्येक पखवाड़े पिछले दो सप्ताह की औसत तेल कीमतों के आधार पर की जाती है।

एजेएक्स इंजीनियरिंग ने एआई-संचालित कंक्रीट जीपीटी मंच लांच किया

नई दिल्ली । कंक्रीटिंग उपकरण विनिर्माता कंपनी एजेएक्स इंजीनियरिंग ने कंक्रीट और विनिर्माण उद्योग के लिए एआई-संचालित मंच कंक्रीट जीपीटी पेश किया है। यह कृत्रिम मेधा (एआई) से संचालित मंच अंग्रेजी, हिंदी, तेलुगु, मराठी और कन्नड़ भाषा में काम करता है। कंपनी बयान के अनुसार इसका मकसद विनिर्माण और कंक्रीट विशेषज्ञों को नवीनतम बाजार अंतर्दृष्टि, नवाचारों तथा नियामक संबंधी अद्यतन व विशेषज्ञ-मान्यता प्राप्त तकनीकी जानकारी प्रदान कर उनकी सेवा करना है। एजेएक्स इंजीनियरिंग के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि हमें विश्वास है कि कंक्रीट जीपीटी निरंतर सुधार, सीखने और कौशल उन्नयन की संस्कृति को बढ़ावा देने में मदद करेगा। इससे लोगों को उद्योग की उभरती मांगों को पूरा करने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता से लैस किया जा सकेगा।

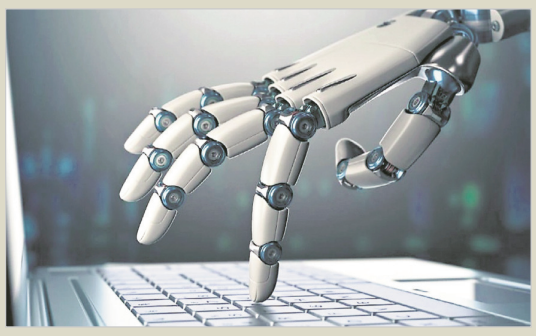

जून में भारत का ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 1.74 लाख करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

भारत का ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन जून में सालाना आधार पर 7.7 फीसदी बढ़कर 1.74 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी। इससे चालू वित्त वर्ष में अब तक कुल जमा राशि 5.57 लाख करोड़ रुपये हो गई है। अप्रैल 2023 में जीएसटी कलेक्शन 1.87 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। नवीनतम डेटा भारत में जीएसटी की सातवीं वर्षगांठ के साथ मेल खाता है। जीएसटी में लगभग 17 स्थानीय कर एवं उपकर शामिल किए गए और इसे एक जुलाई, 2017 को लागू किया गया था। जीएसटी को लागू करना भारतीय कराधान इतिहास में एक प्रमुख मोड़ था। भारत जैसे विविधतापूर्ण और संघीय राष्ट्र में जहां कई कर कानूनों को एक प्रणाली में जोड़ दिया गया था, इस सर्व-समावेशी प्रणाली को अपनाना विशेष रूप से उल्लेखनीय था। सूत्र ने बताया कि जून में एकत्र कुल सकल जीएसटी राजस्व में से सीजीएसटी 39,586 करोड़ रुपये और एसजीएसटी 33,548 करोड़ रुपये है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि माल और सेवा कर आने से घरेलू उत्पादों और मोबाइल फोन के लिए कर की दरें कम हुई हैं और इससे हर घर को राहत मिली है। नई अप्रत्यक्ष कर प्रणाली के तौर पर जीएसटी ने सोमवार को अपने सात साल पूरे किए हैं। सातवें

जीएसटी दिवस का विषय सशक्त व्यापार, समग्र विकास है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि जीएसटी लागू होने के बाद घरेलू सामानों पर कर की दरें कम होने से घरेलू उपकरणों और मोबाइल फोन पर कम जीएसटी के माध्यम से हर घर को खुशी और राहत मिली है।

एलाइड ब्लेंडर्स के शेयर 14 प्रतिशत तेजी के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाने वाली कंपनी एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स का शेयर 281 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 14 प्रतिशत उछाल के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 13.20 प्रतिशत बढ़कर 318.10 रुपये पर खुला। बाद में यह 14.73 प्रतिशत की बढ़त के साथ 322.40 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर 13.87 प्रतिशत की उछाल के साथ 320 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 8,869.61 करोड़ रुपये रहा। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को` पिछले गुरुवार को बोली के अंतिम दिन 23.49 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ में 1,000 करोड़ रुपये तक का नया निर्गम और 500 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल थी। इसका मूल्य दायरा 267-281 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड ने एंकर (बड़े) निवेशकों से 449 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी नए निर्गम से प्राप्त राशि में 720 करोड़ रुपये का उपयोग कर्ज के भुगतान के लिए किया जाएगा और एक हिस्सा सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

मारुति सुजुकी की जून में बिक्री 12 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। देश की वाहन बनाने वाली कंपनी मारुति सुजुकी की जून महीने में कुल थोक बिक्री 12 प्रतिशत बढ़कर 1,79,228 यूनिट रही। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने कहा कि कंपनी की पिछले साल इसी महीने में थोक बिक्री 1,59,418 यूनिट थी। बयान के अनुसार जून में कुल घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री तीन प्रतिशत बढ़कर 1,37,160 यूनिट रही, जून 2023 में यह 1,33,027 यूनिट थी। ऑल्टो और एस-प्रेसो सहित छोटी कारों की बिक्री जून 2023 में 14,054 इकाइयों से घटकर पिछले महीने 9,395 यूनिट रह गई। बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट, टूर एस और वैगनआर सहित कॉम्पैक्ट कार की बिक्री जून में 64,049 यूनिट रही, जबकि एक साल पहले इसी महीने में 64,471 यूनिट थी। ब्रेजा, एर्टिगा, एस-क्रॉस और एक्सएल6 सहित यूटिलिटी वाहनों की बिक्री पिछले महीने 52,373 यूनिट रही, जबकि जून 2023 में यह 43,404 यूनिट थी। ईको की बिक्री पिछले महीने 10,771 यूनिट रही, जबकि पिछले साल जून में यह 9,354 यूनिट थी। हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी की बिक्री 2,758 यूनिट रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 2,992 यूनिट थी। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने उसका निर्यात 31,033 यूनिट रहा, जबकि जून 2023 में यह 19,770 यूनिट था।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 34.74 अंक , निफ्टी भी 18.10 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बैंकिंग और टेलीकॉम शेयरों में मुनाफावसूली हावी होने से आई है। , आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला और सेंसेक्स ऑलटाइम हाई पर पहुंचा पर इसके कुछ समय बाद ही मुनाफावसूली बढ़ने से बाजार नीचे आने लगा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 34.74 अंक करीब 0.04 फीसदी नीचे आकर 79,441.45 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 18.10 अंक तकरीबन 0.07 फीसदी टूटकर 24,123.85 पर पहुंच गया। इंट्रा-डे (एक ही दिन में शेयर खरीदने के मामले) में यह 94.4 अंक तकरीबन 0.39 फीसदी ऊपर आकर 24,236.35 के शीर्ष स्तर पर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और टाइटन के शेयर गिरे जबकि लार्सन एंड टुब्रो, इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टाटा स्टील के शेयर ऊपर आये। वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में टोक्यो, शंघाई और हांगकांग बढ़कर बंद हुए, जबकि सियोल निचले स्तर पर आया। यूरोपीय बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। गत दिवस अमेरिकी बाजार बढ़त पर बंद हुए थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी

संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गत दिवस 426.03 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। वहीं गत कारोबारी सत्र में बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

सेंसेक्स 443.46 अंक यानी 0.56 फीसदी की बढ़त के साथ 79,476.19 अंक पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी भी 131.35 अंक तकरीबन 0.55 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ ही 24,141.95 अंक पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर खुले। निफ्टी50 इंडेक्स 95 अंक बढ़कर 24,236 पर और बीएसई सेंसेक्स 364 अंक चढ़कर 79,840 के स्तर पर पहुंच गया। व्यापक सूचकांकों में मिडकैप इंडेक्स 0.26 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.58 प्रतिशत बढ़े, जिससे बाजार को सकारात्मक संकेत मिला।

रिलायंस का मार्केट कैप 100 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है: मॉर्गन स्टैनली

नई दिल्ली।

देश की अग्रणी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 100 अरब डॉलर तक की बढ़ोतरी हो सकती है। मॉर्गन स्टैनली ने एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया है। तेल से लेकर दूरसंचार तक के कारोबार में सक्रिय रिलायंस इंडस्ट्रीज के पिछले तीन दशकों में चलाए गए मौद्रीकरण चक्रों में शेयरधारकों को दो-तीन गुना मूल्य मिला है। इस दौरान हरेक दशक में कंपनी का बाजार पूंजीकरण 60 अरब डॉलर से अधिक बढ़ा है। आरआईएल इस सदी के अपने चौथे मौद्रीकरण दौर में है। ब्रोकरेज कंपनी मॉर्गन स्टैनली ने कहा` कि मौद्रीकरण 4.0 अलग है, इसे कारोबार में तेजी, घरेलू मांग और कम प्रतिस्पर्धा से समर्थन मिल रहा है। वर्ष 1997 के बाद से आरआईएल के चौथे मौद्रीकरण दौर में बाजार पूंजीकरण में 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक की वृद्धि होनी चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक पूंजीकरण में वृद्धि होने की मुख्य वजह रिलायंस की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि, पूर्ण एकीकरण और कंपनी व्यवसाय को नया स्वरूप देने पर हर बार निवेशकों की अपेक्षाओं से अधिक प्रदर्शन करने की इसकी क्षमता रही है। यह मौद्रीकरण 2021-23 में 60 अरब डॉलर के निवेश के बाद हुआ है, जो आरआईएल के लिए 1990 के दशक के बाद सबसे छोटा निवेश चक्र था। मॉर्गन स्टेनली को उम्मीद है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज की आय वित्त वर्ष 2023-24 से लेकर 2025-26 के दौरान 12 प्रतिशत

की वार्षिक दर से बढ़ेगी, जिसमें सभी क्षेत्रों से आय में तेजी आएगी। ब्रोकरेज कंपनी ने कहा ` कि नई ऊर्जा, उच्च दूरसंचार शुल्क, रासायनिक कारोबार के मार्जिन जैसे नए राजस्व धाराओं को वितरित किए जाने के बाद इसने महत्वपूर्ण बाजार पूंजीकरण परिवर्तन देखा है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बेंगलुरू में 2,000 से ज्यादा फ्लैट बेचे

नई दिल्ली । गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग के दोरान बेंगलुरू में अपनी नई आवासीय परियोजना में 3,150 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 2,000 से ज्यादा मकान बेचे हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने बेंगलुरु के व्हाइटफील्ड-बुडिगेरे क्रॉस स्थित गोदरेज वुडस्केप्स परियोजना में 3,150 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री बुकिंग हासिल की है। कंपनी ने कहा कि मूल्य और बिक्री की मात्रा के संदर्भ में यह गोदरेज प्रॉपर्टीज की अभी तक की सबसे सफल पेशकश रही। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दक्षिण भारत गोदरेज प्रॉपर्टीज के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। हमारा लक्ष्य आने वाले वर्षों में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करना है। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी डेवलपर में से एक है।

हिंडनबर्ग को अडाणी ग्रुप पर लगाए गए आरोपों को लेकर नोटिस मिला

- शेयर बाजार नियामक सेबी ने मांगा जवाब

नई दिल्ली ।

अमेरिकी शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च को अडाणी ग्रुप पर लगाए गए आरोपों को लेकर शेयर बाजार नियामक सेबी ने 46 पेज का कारण बताओ नोटिस थमाया है।

दरअसल जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप पर स्टॉक मैनिपुलेशन से लेकर मनी लॉन्ड्रिंग जैसे आरोप लगाए थे। हिंडनबर्ग रिसर्च ने कहा कि उसे सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया से कारण बताओ नोटिस मिला है, जिसमें अडानी समूह के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर जवाब मांगा गया है। पिछले साल जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग ने एक रिपोर्ट पब्लिश की थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि अडाणी समूह ने अपने शेयरों में हेरफेर और धोखाधड़ी की। इन आरोपों के बाद अडाणी ग्रुप के शेयरों में 150 बिलियन की गिरावट आई थी। बाजार नियामक सेबी से मिले कारण बताओ नोटिस को लेकर हिंडनबर्ग ने अपनी नाराजगी जाहिर की। अमेरिकी फर्म ने सेबी के इस नोटिस को डराने-धमकाने का प्रयास बताया। हिंडनबर्ग ने एक ब्लॉग पोस्ट में लिखा कि नियामक ने अस्पष्ट आरोप लगाया था कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में रीडर्स को गुमराह करने वाले गलत बयान शामिल थे।

हिंडनबर्ग ने कहा कि हमें लगता है कि सेबी ने अपनी जिम्मेदारी को नहीं निभाया है, ऐसा लग रहा है कि वह धोखाधड़ी करने वालो से निवेशकों की रक्षा करने के बजाय धोखाधड़ी करने वालों का बचाव करने की कोशिश कर रही है।

वहीं सेबी का कहना है कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने स्कैंडल जैसे आरोपों का उपयोग कर जानबूझकर कुछ तथ्यों को सनसनीखेज बनाया।

सेबी ने नोटिस में कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च ने बिना किसी साक्ष्य के अपनी रिपोर्ट में गलत बयानबाजी की।

सोना 71,700 और चांदी 87,850 रुपए

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत मंगलवार को तेज रही। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,700 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 87,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 30 रुपये की तेजी के साथ 71,684 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 17 रुपये की तेजी के साथ 71,671 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 299 रुपये की तेजी के साथ 87,821 रुपये पर खुला। इस समय यह 327 रुपये की तेजी के साथ 87,849 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,341.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,338.90 डॉलर प्रति औंस था। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 1.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,337.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा

भाव 29.76 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.61 डॉलर था।

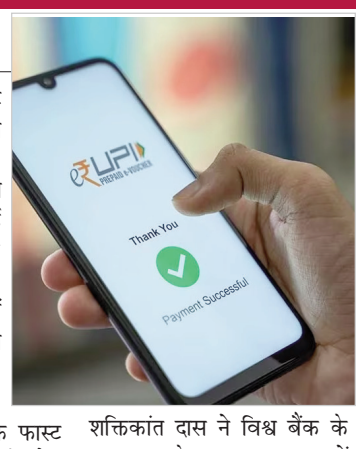

खबर लिखे जाने के समय यह 0.04 डॉलर की तेजी के साथ 29.65 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अब 4 आसियान देशों के लोग भी कर सकेंगे यूपीआई पेमेंट

नई दिल्ली ।

क्रॉस बॉर्डर रिटेल पेमेंट के समर्थन में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) प्रोजेक्ट नेक्सस में शामिल हो गया है। यह यूपीआई जैसे डोमेस्टिक फास्ट पेमेंट सिस्टम (एफपीएस) को सरहद पार बैठे लोगों के बीच पैसों को भुगतान करने में सक्षम बनाएगा। अगले साल से फिलीपींस, मलेशिया और थाईलैंड के फास्ट पेमेंट सिस्टम को यूपीआई से जोड़ दिया जाएगा, जिससे इन देशों के नागरिक यूपीआई से पैसों का डिजिटल ट्रांजैक्शन करने में सक्षम होंगे। इंडोनेशिया भी भविष्य में यूपीआई पेमेंट सिस्टम से जुड़ सकता है।` पिछले` दिनों समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि मेरे विचार में प्रोजेक्ट नेक्सस का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि इससे सीमा-पार भुगतान बहुत तेज़ और कम खर्चीला हो जाएगा। यह कम लागत पर सीमा-पार डिजिटल ट्रांजैक्शन को तेज करने के लिए देशों के बीच अधिक अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ा देगा।

आरबीआई यूपीआई और कई देशों के एफपीएस के माध्यम से सीमा पार खुदरा भुगतान को सक्षम करने के लिए प्रोजेक्ट नेक्सस में शामिल हो गया है। गवर्नर शक्तिकांत दास ने विश्व बैंक के आकलन के अनुरूप लागत में कमी की उम्मीद जताई है। इस पहल में बीआईएसआईएच शामिल है और इसका उद्देश्य भुगतान दक्षता और गति को बढ़ाने के लिए बहुपक्षीय सहयोग करना है, जिससे व्यक्ति-से-व्यक्ति और व्यक्ति-से-व्यापारी लेनदेन को लाभ होगा।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने प्रोजेक्ट नेक्सस के लाभों पर जोर दिया, जिसका उद्देश्य मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड जैसे देशों के फास्ट पेमेंट सिस्टम के साथ यूपीआई को जोड़ना है, जिसमें बाद में इंडोनेशिया भी शामिल होगा. इस पहल का उद्देश्य सीमा पार भुगतान दक्षता में सुधार करना है, जिससे तेज और अधिक लागत प्रभावी ट्रांजैक्शन के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

एसयूवी कोना इलेक्ट्रिक इंडियन मार्केट से हुई गायब

-अब नई इलेक्ट्रिक एसयूवी को लाने की तैयारी

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में हुंडई ने अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी कोना इलेक्ट्रिक की बिक्री बंद कर दी है। भारत में हुंडई कोना कंपनी की पहली इलेक्ट्रिक कार थी। इसकी जगह अपनी एक पॉपुलर एसयूवी का इलेक्ट्रिक वर्जन उतारने के लिए पूरी तरह तैयार है। बता दें कि कंपनी इंडियन मार्केट में क्रेटा इलेक्ट्रिक को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में क्रेटा के इलेक्ट्रिक वर्जन को कई बार टेस्टिंग करते देखा गया है। इससे उम्मीद है कि कंपनी इसे जल्द ही लॉन्च कर सकती है। क्रेटा ईवी का काफी लंबे समय से इंतजार किया जा रहा है। कंपनी की ये इलेक्ट्रिक कार मास मार्केट के लिए हिट साबित हो सकती है। इंडियन मार्केट में टाटा कर्व और मारुति की पहली इलेक्ट्रिक कार के आने की भी खबरें हैं। ऐसे में हुंडई को अपनी तैयारी मजबूत करनी होगी। मार्केट में लॉन्च होने के बाद क्रेटा ईवी की सबसे बड़ी चुनौती टाटा नेक्सान ईवी और महिंद्रा एक्सयूवी400 जैसी इलेक्ट्रिक कारें होंगी। इसका मुकाबला मारुति सुजुकी ईवीएक्स से भी हो सकता है।

अगले साल जनवरी में क्रेटा ईवी लॉन्च हो सकती है, और इसकी कीमत कोना इलेक्ट्रिक से कम होगी। क्रेटा ईवी की एक्सपेक्टेड रेंज 350-400 किलोमीटर के आसपास होने की उम्मीद है। हालांकि, हुंडई ने इस बात की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है।बता दें कि कोना इलेक्ट्रिक को 2019 में लॉन्च किया गया था लेकिन ठीक इसके 5 साल बाद कंपनी ने मॉडल को अपने आधिकारिक वेबसाइट से चुपचाप हटा दिया है। इस कदम को हुंडई की क्रेटा ईवी की तैयारी से जोड़ा जा रहा है, जिसके 2025 की शुरुआत में शोरूम में आने की उम्मीद है।

कोना इलेक्ट्रिक को 25.30 लाख रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च किया गया था। बाद में कम्पनी इसपर 2 लाख रुपये का डिस्काउंट भी दे रही थी। कोना इलेक्ट्रिक में 100 केडब्ल्यू का इलेक्ट्रिक मोटर लगाया गया है, जो 131 बीएचपी और 395 एनएम का टॉर्क देता है। इसमें 39.2केडब्ल्यूएच की बैटरी लगाई गई है, जिसके फुल चार्ज होने पर 453 किलोमीटर की रेंज मिलती है। कोना इलेक्ट्रिक को भारतीय बाजार में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें से इसकी अधिक कीमत और क्रॉसओवर डिजाइन शामिल था।

शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम जिम्बाब्वे रवाना

-पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी, लक्ष्मण रहेंगे मुख्य कोच

मुंबई (एजेंसी)। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम जिम्बाब्वे दौरे पर रवाना हो गयी है। भारतीय टीम इस दौरे में पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी वीवीएस लक्ष्मण संभालेंगे। पांच मैचों की सीरीज का पहला मैच 6 जुलाई को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा। आखिरी टी20 मैच 14 जुलाई को इसी मैदान पर होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दौरे के लिए रवाना हुए खिलाड़ियों की तस्वीरें सोशल मीडिया में भी साझा की हैं। इसमें अभिषेक शर्मा, मुकेश कुमार, रुतुराज गायकवाड़, आवेश खान, रियान पराग आदि शामिल हैं। बीसीसीआई ने ट्वीट किया, जेट सेट जिम्बाब्वे, जिम्बाब्वे बनाम भारत।

इस टीम में टी20 विश्व कप की मुख्य टीम के सिर्फ दो खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन को ही शामिल किया गया है। बाकि अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। रिंकू सिंह, आवेश खान और खलील अहमद जैसे खिलाड़ी जो टी20 विश्व कप के लिए रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में शामिल थे। उन्हें भी टीम में शामिल किया गया है।

वहीं जिम्बाब्वे क्रिकेट ने भी इस सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है।

जिम्बाब्वे की कप्तानी सिकंदर रजा करेंगे।

भारतीय टीम : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, रुतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन (विकेट कीपर), ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), नितीश रेड्डी, रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार और तुषार देशपांडे।

जिम्बाब्वे की टीम = सिकंदर रजा (कप्तान), अकरम फराज, बेनेट ब्रायन, कैंपबेल जॉनथन, चतारा तेंदई, जोंगवे ल्यूक, कैया इनोसेंट, मदंडे क्लाइव, मधेवेरे वेस्ली, मारुमनी तडिवानाशे, मसाकाद्जा वेलिंगटन,

मावुता ब्रैंडन, मुजरबानी ब्लेसिंग, मायर्स डायन, नकवी अंतुम, नगारवा रिचर्ड, शुम्बा मिल्टन।

सुमित नागल विंबलडन के पहले दौर से बाहर

लंदन (एजेंसी)। भारत के शीर्ष एकल टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने 44 सहज गलतियां की और विंबलडन के पहले दौर में सर्बिया के मियोमिर केकमानोविच के खिलाफ चार सेट में हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए। पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में पहली बार हिस्सा ले रहे नागल को दो घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले में सोमवार रात 2-6, 6-3, 3-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। दुनिया के 53वें नंबर के खिलाड़ी केकमानोविच के खिलाफ नागल ने एक सेट जीता।

भारत के 72वीं रैंकिंग वाले 26 वर्षीय खिलाड़ी ने 47 विनर भी लगाए लेकिन कुल मिलाकर उन्हें घास के कोर्ट पर संघर्ष करना पड़ा। अंत में नागल केकमानोविच के 122 अंक के मुकाबले केवल 104 अंक ही जुटा पाए। सर्बियाई खिलाड़ी ने छह ऐस लगाए और केवल दो डबल फॉल्ट किए। यह केकमानोविच की नागल के खिलाफ दो मैच में दूसरी जीत है। उन्होंने चार साल पहले जर्मनी के कोलोन में एटीपी 250 प्रतियोगिता में भी नागल को हराया था।

पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके नागल पांच साल में विंबलडन पुरुष एकल मुख्य ड्रॉ का मैच खेलने वाले पहले भारतीय हैं। प्रजनेश गुणेश्वरन 2019 में पहले दौर से बाहर हो गए थे। नागल का मौजूदा सत्र शानदार रहा है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के मुख्य ड्रॉ के लिए भी क्वालीफाई किया था। उन्होंने शुरुआती दौर में कजाखस्तान के 31वें वरीय एलेक्जेंडर बुब्लिक को हराया था और 35 साल में किसी ग्रैंडस्लैम में वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाले पहले भारतीय पुरुष टेनिस खिलाड़ी बने थे।

नागल ने एटीपी 1000 प्रतियोगिता इंडियन वेल्स मास्टर्स और मोंटे कार्लो मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ के लिए भी क्वालीफाई किया था। इस भारतीय ने इस सत्र में दो चैलेंजर प्रतियोगिताएं हीलब्रॉन चैलेंजर और चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर जीते हैं। उन्होंने फ्रेंच ओपन में भी हिस्सा लिया था लेकिन शुरुआती दौर में हार गए थे।

सूर्यकुमार के कैच को लेकर आये एक वीडियो से उठ रहे सवाल

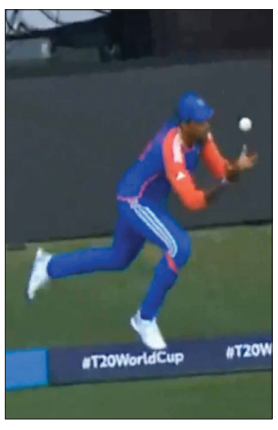

बारबाडोस (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्वकप जीत में सूर्यकुमार यादव के बाउंड्री लाइन पर लिए कैच की अहम भूमिका रही है। इस कैच के साथ ही दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजी डेविड मिलर पेवेलियन लौट गये और भारतीय टीम की जीत तय हो गयी। इस कैच को इसी कारण टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ कैच भी करार दिया गया और इसके लिए सूर्या को पुरस्कार भी मिला पर अब इसी कैच को लेकर एक दक्षिण अफ्रीकी प्रशंसक ने सवाल भी उठाये हैं। इस प्रशंसक के एक वीडियो से ये पूरा मामला बढ़ा है। इस प्रशंसक के ताजा वीडियो ने इस बात पर बहस छेड़ दी कि क्या थर्ड अंपायर ने मिलर को आउट दिये जाने का गलत फैसला दिया था और सूर्यकुमार का पांव बाउंड्री लाइन पर लगा था। हार्दिक पांड्या की इस गेंद पर मिलर ने हवा में शॉट खेला और ऐसा लग रहा था कि गेंद बाउंड्री के ऊपर से निकल जाएगी पर सूर्यकुमार ने बीच में ही उससे लपक लिया। सूर्या ने गेंद को हवा में पकड़ा और गेंद को मैदान में हवा की और फेंकते हुए बाउंड्री लाइन पार कर वापस मैदान में आकर कैच पकड़ लिया।

थर्ड अंपायर रिचर्ड केटलबोरो ने इसे जल्दी से देखा और इसे सही कैच माना। इस कैच की तुलना जल्द ही कपिल देव के 1983 के यादगार पल से की जाने लगी हालांकि सोशल मीडिया पर बहुत कम लोगों ने माना कि सूर्यकुमार ने लॉन्ग-ऑफ पर कैच पकड़ने से पहले गेंद को हवा में उछालने से पहले बाउंड्री को छुआ था। एक दक्षिण अफ्रीकी प्रशंसक ने लिखा, यह निश्चित रूप से एक से अधिक बार देखने लायक है, बस इतना ही कह रहा हूं। बाउंड्री रोप ऐसा लग रहा है जैसे यह स्पष्ट रूप से हिल रही है। वहीं एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया कि कैच से ठीक पहले बाउंड्री रोप की कुशनिंग को पीछे धकेल दिया गया था। आईसीसी की खेल स्थितियों के अनुसार यह कुशन है न कि सफेद रेखा, जैसा कि ट्वीट में देखा गया है, जो बाउंड्री है। हालांकि धारा 19.3 में कहा गया है, यदि किसी कारण से सीमा को चिह्नित करने के लिए इस्तेमाल की गई कोई ठोस वस्तु हिलती है, तो सीमा को उसकी मूल स्थिति में माना जाएगा।

टी20 विश्वकप की तैयारी के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप की तैयारी के लिए अगले माह अगस्त में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इस दौरे में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के साथ तीन मैचों की टी20 सीरीज के साथ ही तीन एकदिवसीय के अलावा एक चार दिवसीय मैच भी खेलना है। इससे बांग्लादेश में साल के आखिर में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके अलावा उसे अपनी कमियों का भी पता चलेगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस दौरे का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इसमें ताहलिया मैकग्रा ऑस्ट्रेलियाई 20 और 50 ओवरों की टीम की कप्तानी करेंगी। वहीं चार्ली नॉट को चार दिवसीय मैच के लिए कप्तान बनाया गया है। इस दौर में सभी तीन टी20 मैच ब्रिसबेन में जबकि

एकदिवसीय मैच मैके में खेले जाएंगे। एकमात्र चार दिवसीय मैच गोल्ड कोस्ट में खेला जाएगा। पहला टी20 मैच 07 अगस्त, दूसरा टी20 09 अगस्त जबकि तीसरा तीसरा टी20 11 अगस्त को खेला जाएगा।

वहीं पहला एकदिवसीय 14 अगस्त, दूसरा 16 अगस्त को व तीसरा एकदिवसीय 18 अगस्त को खेला जाएगा। एकमात्र चार दिवसीय मैच 22 से 25 अगस्त तक होगा।

टी20 टीम = ताहलिया मैकग्रा (कप्तान), मैडी डार्के, सोफी डे, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, किम गार्थ, चार्ली नॉट, कैटी मैक, ग्रेस पार्सोंस, मेगान शट, कर्टनी सिप्पेल, टायला वी, ताहलिया विल्सन।

एकदिवसीय टीम = ताहलिया मैकग्रा (कप्तान), मेटलान ब्राउन, मैडी डार्के ,सोफी डे, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, किम गार्थ, चार्ली नॉट, कैटी मैक, ग्रेस पार्सोंस, मेगान शट, कर्टनी सिप्पेल, टायला वी, ताहलिया विल्सन।

चार दिवसीय टीम = चार्ली नॉट (कप्तान), मेटलान ब्राउन, मैडी डार्के, सोफी डे, एम्मा डे ब्रून, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, कैटी मैक, लिली मिल्स, ग्रेस पार्सोंस, केट पीटरसन, कर्टनी सिप्पेल, जॉर्जिया वोल।

भारतीय क्रिकेट टीम के बुधवार शाम तक स्वदेश पहुंचने की संभावना

मुम्बई। खराब मौसम और तूफान के कारण बारबाडोस में फंसी भारतीय क्रिकेट टीम के बुधवार तक भारत पहुंचने की उम्मीदें हैं। शनिवार को हुए टी20 विश्वकप फाइनल में जीत के बाद सभी प्रशंसक भारतीय टीम का इंतजार कर रहे थे पर खराब मौसम और उड़ाने बंद होने से टीम अब तक वहीं हैं। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच शनिवार को फाइनल खेला गया था जिसमें भारतीय टीम ने 7 रनों से जीत दर्ज कर एक दशक के बाद आईसीसी ट्रॉफी जीती थी। अब बारबाडोस में हालात सुधर रहे हैं जिससे उड़ाने शुरु होने की संभावना है। ऐसे में भारतीय टीम के बुधवार शाम तक नई दिल्ली पहुंचने की उम्मीदें हैं। रविवार शाम से ही बारबाडोस पूरी तरह से बंद है। मौसम की खराबी की वजह से मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अगली सूचना तक बंद कर दिया गया था। बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया अमोर मोटली ने बताया था कि एयरपोर्ट को अगले 12 घंटे में खोल जाने के प्रयास जारी हैं। पिछले तीन दिन में चक्रवात तूफान की वजह से पूरे शहर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया था। वहीं भारतीय टीम के सदस्य भी होटल में ही रह रहे थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों के लिए चार्टर्ड प्लेन का इंतजाम किया जिससे खिलाड़ी वापसी करेंगे।

डिविलियर्स ने कहा दक्षिण अफ्रीकी टीम अपना हौंसला बनाये रखे

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने आईसीसी टी20 विश्व कप में हार से निराश हुई अपनी टीम का हौंसला बढ़ाया है। डिविलियर्स ने सोशल मीडिया पर कहा कि टीम ने खिताबी मुकाबले में अपनी ओर से अंत तक संघर्ष किया था। उसलिए उसे हताश होने की जरुरत नहीं है। टीम को अपना सिर ऊंचा करने रहना चाहिये क्योंकि वह इससे पहले की सभी दक्षिण अफ्रीकी टीमों से आगे निकल गयी है। साथ ही कहा कि आप सभी हीरो हैं और आपको आने वाले समय में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना शेष है। टी20 विश्वकप में दक्षिण अफ्रीकी टीम को केवल सात रनों से हार मिली थी। टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत के भरपूर प्रयास किये थे और एक समय ऐसा थी थी जब टीम जीत की ओर बढ़ रही थी। हेनरिक क्लासेन ने इस मैच में अपनी टीम को जीत दिलाने के पूरे प्रयास किये थे पर अंतिम ओवरों में लगातार विकेट खोने से उसके हाथ से खिताब निकल गया था। अफ्रीकी टीम इस पूरे टूर्नामेंट में सभी मैच जीतकर फाइनल में पहुंची थी जहां उसके बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजों ने भी जबरदस्त प्रदर्शन किया था। [

एकदिवसीय विश्वकप में हार के बाद पद छोड़ना चाहते थे द्रविड़

-रोहित ने फोन कर कोच बने रहने को कहा, द्रविड़ अब आभार जताया

ब्रिजटाउन। आईसीसी टी20 विश्व कप के साथ ही पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ का मुख्य कोच के तौर पर कार्यकाल भी समाप्त हो गया। भारतीय टीम ने जिस प्रकार विश्वकप जीता है। उससे द्रविड़ को एक शानदार विदायी मिली है। जिससे वह बेहद उत्साहित हैं हालांकि गत वर्ष ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के बाद वह पद छोड़ना चाहते थे पर कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें फोन कर कोच बने रहने का अनुरोध किया था जिसके लिए उन्होंने रोहित को धन्यवाद कहा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा जारी एक वीडियो में द्रविड़ ने कहा कि उनके पास शब्द नहीं हैं और उन्होंने टीम के सभी सदस्यों को उनके समय के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, मेरे पास कहने के लिए शब्द नहीं हैं, लेकिन मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि मुझे इस अविश्वसनीय याद का हिस्सा बनाने के लिए आप सभी का धन्यवाद। मुझे लगता है कि आप सभी को ये पल याद होंगे। उन्होंने कहा, मुझे आप लोगों पर इससे ज्यादा गर्व नहीं हो सकता। जिस तरह से आपने वापसी की, जिस तरह से आपने संघर्ष किया, जिस तरह से हमने एक टीम के रूप में काम किया, जिस तरह से आपने दृढ़ता दिखाई। पिछले कुछ सालों में कुछ निराशाएं हुई हैं जहां हम करीब पहुंच गए हैं, हम कभी भी लक्ष्य को पार नहीं कर पाए हैं। लेकिन इन लड़कों ने जो किया है, आप सभी ने जो किया है, सपोर्ट स्टाफ में सभी ने जो किया है, हमने जो कड़ी मेहनत की है, हमने जो बलिदान दिए हैं। आप जानते हैं, मुझे लगता है... पूरे देश को आप सभी पर और आपने जो हासिल किया है, उस पर गर्व है।

उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने उन्हें 2023 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद भी उन्हें कोच के पद पर बने रहने को कहा। उन्होंने कहा, मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि रोहित ने जो किया उसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं। मुझे लगता है कि आप सभी के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य और खुशी की बात रही है। द्रविड़ ने अपने कार्यकाल को ठीक पूरा करने के लिए बीसीसीआई से मिले सहयोग के लिए उसे भी धन्यवाद कहा।

यूरो 2024 : स्लोवेनिया पर रोमांचक जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंचा पुर्तगाल

फ्रैंकफर्ट (जर्मनी) (एजेंसी)। विश्व रैंकिंग में 57वें स्थान पर काबिज स्लोवेनिया ने यूरो 2024 फुटबॉल के प्री-क्वार्टर फाइनल में क्रिस्टियानो रोनाल्डो और कई दिग्गज खिलाड़ियों से सजी पुर्तगाल की टीम को 120 मिनट तक गोल करने से रोके रखा लेकिन टीम पेनल्टी शूटआउट में 0-3 से हार गई। अंतिम आठ में पुर्तगाल के सामने अब फ्रांस की चुनौती होगी।

यह मुकाबला कप्तान रोनाल्डो के लिए काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा जिसमें वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। यूरो 2024 में अपने पहले गोल की तलाश कर रहे रोनाल्डो मैच में पांच-छह ऐसे मौकों पर चूक गए जिसे वह पिछले 20 साल के अपने करियर में गोल में बदलते रहे हैं। नियमित समय में मैच गोल रहित रहने के बाद आधे घंटे के अतिरिक्त समय में भी यह मुकाबला गोल रहित रहा। रोनाल्डो के पास हालांकि मैच के 105 वें मिनट टीम को बढ़त दिलाने का आसान मौका था लेकिन 39 साल का यह खिलाड़ी पेनल्टी किक पर गोल करने

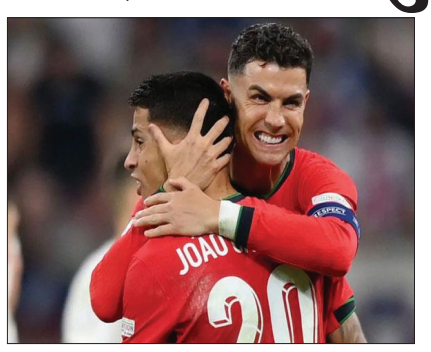

से चूक गया। स्लोवेनिया के गोलकीपर जान ओब्लाक ने बाईं ओर डाइव लगाकर शानदार बचाव कर पुर्तगाल को बढ़त लेने से रोक दिया। इस प्रयास के विफल होने के बाद रोनाल्डो की आंखों में आंसू आ गए। टीम के साथियों ने हालांकि उनका हौसला बढ़ाया, उनका माथा चूमा उन्हें मैच पर ध्यान बनाये रखने को कहा। इस मौके पर स्टेडियम में मौजूद रोनाल्डो की मां की आंखें भी नम हो गई।

अतिरिक्त समय के बाद भी मैच गोलरहित बराबरी पर छूटा। पुर्तगाल के गोलकीपर डिओगो कोस्टा ने इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में स्लोवेनिया के जोसिप इलिकिक के पहले प्रयास को विफल कर दिया। इसके बाद रोनाल्डो ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई और अपनी निराशा को पीछे छोड़ा। कोस्टा ने ज्यूर बाल्कोवेक और बेंजामिन वर्बिक की पेनल्टी किक को रोका जबकि ब्रूनो फर्नांडीस और बर्नार्डो सिल्वा ने अपने प्रयास पर गोल कर पुर्तगाल को 3-0 से जीत दिला दी।

रोनाल्डो ने मैच के बाद कहा, 'कभी-कभी पेनल्टी पर गोल करना कठिन होता है। मैंने अपने करियर में 200 से अधिक पेनल्टी पर गोल किए हैं। कभी-कभी यह गड़बड़ हो जाता है।' उन्होंने कहा, 'हमने उत्साह दिखाया कि हमें अभी भी खेलना है, प्रशंसकों को खुशी देनी है और बस, यही हमारी जिंदगी है।'

बैडमिंटन खेलते समय हार्ट अटैक से 17 साल के चीनी बैडमिंटन खिलाड़ी की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में हो रहे एक टूर्नामेंट में 17 साल के एक चीनी बैडमिंटन खिलाड़ी झांग झिजी की मौत से सभी हैरान हैं। झांग झिजी की बैडमिंटन कोर्ट में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इस घटना पर भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु भी स्तब्ध हैं। यह घटना रविवार देर रात की है। झांग को यहां एक टूर्नामेंट के दौरान कोर्ट पर ही दिल का दौरा पड़ गया जिससे वह बेहोश होकर गिर गया। इस युवा खिलाड़ी को मैच स्थल पर ही इलाज दिया गया पर कोई हलचल न होने पर उसे एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया पर लेकिन रात में उनकी मौत हो गई। इस खिलाड़ी की मौत पर सिंधु ने एक पोस्ट लिखकर दुख जताया है। सिंधु ने लिखा, जूनियर एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप से युवा बैडमिंटन खिलाड़ी झांग झिजी के निधन की खबर बेहद दुखद है, मैं इस कठिन समय में झांग के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं।

अब एक सितंबर से शुरु होगी राफ्टिंग

ऋषिकेश। अब अगले दो माह तक ऋषिकेश में साहसिक खेल राफ्टिंग का आनंद नहीं लिया जा सकेगा। हर साल की तरह ही बारिश का मौसम शुरु होने के कारण सुरक्षा कारणों से राफ्टिंग को 31 अगस्त तक के लिए बंद कर दिया गया है। अब 1 सितंबर से गंगा में फिर राफ्टिंग शुरू होगी। आमतौर पर गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए 30 जून के बाद ही नदी में राफ्टिंग का संचालन बंद कर दिया जाता है। गंगा नदी रिवर रॉफ्टिंग समिति के साहसिक खेल अधिकारी खुशाल सिंह ने कहा कि एक जुलाई से गंगा में राफ्टिंग का संचालन पूरी तरह बंद कर दिया गया है। जुलाई और अगर?त में इसका संचालन पूरी तरह से प्रतिबंधित हैं। वहीं इस नियम का उल?लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। राफ्टिंग का नया सत्र हर साल एक सितंबर को शुरू होता है और ये जून तक चलता है। राफ्टिंग के लिए भारी तादाद में लोग यहां पहुंचते हैं। इस सत्र में ही करीब सवा चार लाख पर्यटकों ने राफ्टिंग का आनंद उठाया है। यहां ढाई सौ से ज?यादा कंपनियों की साढ़े छह सौ राफ्ट गंगा में संचालित होती हैं।

विश्वकप में जब भी जरुरत पड़ी इस खिलाड़ी ने निभाई अहम भूमिका

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्व कप में इस बार भारतीय टीम की जीत में कई खिलाड़ियों की अहम भूमिका रही है। इसमें रोहित शर्मा से लेकर विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह जैसे बड़े खिलाड़ी शामिल है। वहीं एक खिलाड़ी ऐसा भी रहा जो अहम अवसरों पर अपनी भूमिका निभाता रहा। इस खिलाड़ी का नाम है अक्षर पटेल। अक्षर को हालांकि अधिक श्रेय नहीं मिल पाया पर उसने अधिकतर मैच में भारतीय टीम की ओर से अंतर पैदा किया।

टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में भी अक्षर ने दबाव के हालातों में अच्छी पारी खेली। जब वह बल्लेबाजी के लिए आये थे तब भारतीय टीम ने 34 रन पर ही 3 विकेट खो दिये थे। ऐसे में अक्षर न आक्रामक बल्लेबाजी कर विराट कोहली पर से दबाव हट दिया। अक्षर ने 47 रन बनाने के साथ ही मैच में एक विकेट भी लिया।

ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने तकरीबन हर मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ केवल 23 रन देकर 3 विकेट लेने के अलावा 10 रन भी बनाए थे। इसी तरह जब भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ जल्दी-जल्दी विकेट खोये तो अक्षर ने तेजी से 20 रन बनाये। अक्षर ने जरूरत के अनुसार चौथे और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के अलावा पावरप्ले में भी गेंदबाजी की। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 9 विकेट लेने के साथ ही 92 रन भी बनाए।

काऊंटी चैम्पियनशिप : जेम्स एंडरसन की गेंदों ने उगली आग, पहले स्पैल में ही चटकाए 6 विकेट

खेल डैस्क। इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन ने भारत के खिलाफ बीती मार्च में अपना आखिरी टेस्ट खेला था। चार महीने बाद क्रिकेट मैदान पर लौटे एंडरसन ने एक बार फिर से धमाल मचा दिया है। काऊंटी चैम्पियनशिप में उतरे एंडरसन ने मंगलवार को साउथपोर्ट में नॉटिंघमशायर के खिलाफ में लंकाशायर के लिए खेलते हुए महज 10 ओवर में ही 6 विकेट चटका लिए। इससे पहले लंकाशायर की टीम ने कीटर जीनिंग के 260 गेंदों पर 183 रनों की बदौलत पहली पारी में 353 रन बनाए थे।

नॉटिंघमशायर की शुरूआत खराब रही। अपना तीसरे ही ओवर में जिम्मी एंडरसन ने कप्तान हसीब हम्मीद को महज 6 रन पर बोल्ड कर दिया। इसके बाद अगली 4 ओवरों में उन्होंने न्यूजीलैंड के बल्लेबाज विल यंग, विकेटकीपर जो क्लार्क, जैक हेन्स और लिंडन जेम्स को आउट किया। उन्होंने इसी दौरान लियाम पैटरसन-व्हाइट को 4 रन पर आउट कर अपना छठा विकेट लिया। इससे नॉटिंघम का स्कोर 17 ओवर में 6 विकेट पर 40 रन हो गया। एंडरसन का शुरुआती स्पेल (10-2-19-6) सबसे अच्छा रहा।

अनुभवी तेज गेंदबाज ने अपने 55वें पांच विकेट के साथ अपने प्रथम श्रेणी विकेटों की संख्या 1120 तक पहुंचा दी है। वह अब 10 जुलाई को लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में वेस्ट इंडीज के खिलाफ अपना विदाई टेस्ट खेलेंगे। बता दें कि टीम इंडिया के खिलाफ धर्मशाला टेस्ट में एंडरसन ने अपने 700 टेस्ट विकेट पूरे किए थे। वह इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले दुनिया के पहले तेज गेंदबाज है। स्पिनर शेन वार्न (708) और मुथैया मुरलीधरन (800) सबसे ज्यादा विकेट लेने गेंदबाज हैं।

कनाडाई लीग में वैंकूवर नाइट्स की कप्तानी करेंगे रिजवान

वैंकूवर। पाकिस्तान के क्रिकेटर मोहम्मद रिजवान अब जीटी20 कनाडाई लीग में वैंकूवर नाइट्स की कप्तानी करेंगे। रिजवान को बाबर आजम की जगह इस लीग का कप्तान बनाया गया है। कनाडाई लीग का चौथा सत्र 25 जुलाई से 11 अगस्त तक ब्रैम्पटन शहर में होगा। जीटी20 कनाडा फ्रेंचाइजी ने कहा, वैंकूवर नाइट्स ने जीटी20 सत्र 4 के लिए रिजवान को अपना कप्तान बनाया है। वह अपने बेहतरीन बल्लेबाजी कौशल और विकेटकीपिंग के साथ हमें जीत दिलाने में सफल होंगे, ऐसी हम उम्मीद करते हैं। गौरतलब है कि रिजवान के पास पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में मुल्तान सुल्तान्स की कप्तानी का अनुभव है। वहीं दूसरी ओर बाबर अभी पाकिस्तान की राष्ट्रीय टीम और पीएसएल में पेशावर जाल्मी की कप्तानी कर रहे हैं। नाइट्स की टीम में रिजवान सहित बाबर आजम, अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर और मध्यक्रम के बल्लेबाज आसिफ अली भी शामिल हैं।

कृषि वैज्ञानिक बनकर संवारें भविष्य

भारत विश्व के प्रमुख कृषि प्रधान देशों में से एक है। देश के आर्थिक विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि विज्ञान-आधारित, उच्च-प्रौद्योगिकीय क्षेत्र है तथा इससे संबंधित रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। ये हैं - पशु और पादप शोधकर्ता, खाद्य वैज्ञानिक, वस्तु ब्रोकर, पोषणविद, कृषि पत्रकार, बैंकर्स, बाजार विश्लेषक, बि व्यावसायिक, खाद्य संसाधक, वन प्रबंधक, वन्यजीव विशेषज्ञ आदि। कृषि अनुसंधान और शिक्षा कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों तथा कृषि शिक्षा और पशुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों द्वारा संचालित की जाती है।

कृषि विज्ञान एक व्यापक बहुविषयक क्षेत्र है, जिसमें प्राकृतिक, आर्थिक और सामाजिक विज्ञान हिस्से हैं, जिन्हें कृषि के व्यवहार तथा इसे समझने के लिए प्रयोग किया जाता है। इस क्षेत्र में निम्नलिखित पर अनुसंधान एवं विकास कार्य किए जाते हैं- उत्पादन तकनीकें (जैसे कि, सिंचाई प्रबंधन, अनुशंसित नाइट्रोजन इनपुट्स) गुणवत्ता और मात्रा की दृष्टि से कृषि उत्पादन में सुधार (जैसे कि सूखा झेलने वाली फसलों तथा पशुओं का चयन, नए कीटनाशकों का विकास, खेती-संवेदन प्रौद्योगिकियां, फसल वृद्धि के सिमुलेशन मॉडल, इन-वाइट्रो सैल कल्चर तकनीकें) प्राथमिक उत्पादों का अंतिम-उपभोक्ता उत्पादों में परिवर्तन (जैसे कि डेरी उत्पादों का उत्पादन, संरक्षण और पैकेजिंग) विपरीत पर्यावरणीय प्रभावों की रोकथाम तथा सुधार (जैसे कि मृदा निम्नीकरण, कचड़ा प्रबंधन, जैव-पुन: उपचार) सैद्धान्तिक उत्पादन पारिस्थितिकी, फसल उत्पादन मॉडलिंग से संबंधित परंपरागत कृषि प्रणालियां, कई बार इसे जीविका कृषि भी कहा जाता है, जो विश्व के सर्वाधिक गरीब लोगों का भरण-पोषण करती है। ये परंपरागत पद्धतियां काफी रुचिकर हैं क्योंकि कई बार ये औद्योगिक कृषि की बजाए यादा प्राकृतिक पारिस्थितिकी व्यवस्था के साथ समाकलन का स्तर कायम रखती हैं जो कि कुछ आधुनिक कृषि प्रणालियों की अपेक्षा यादा दीर्घकालिक होती हैं।

कृषि वैज्ञानिकों के विशेषज्ञता के क्षेत्र के अनुरूप उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों की प्रकृति में भिन्नता रहती है।

खाद्य विज्ञान - खाद्य वैज्ञानिक या प्रौद्योगिकीविद सामान्यत- खाद्य संसाधन उद्योग, विश्वविद्यालयों या संघीय सरकार में नियुक्त किए जाते हैं। वे स्वास्थ्यपरक, सुरक्षित

और सुविधाजनक खाद्य उत्पादों की उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने में मदद करते हैं।

पादप विज्ञान - पादप विज्ञान में कृषि विज्ञान, फसल विज्ञान, कीट-विज्ञान तथा पादप प्रजनन को शामिल किया गया है।

मृदा विज्ञान- इसके अंतर्गत काम करने वाले व्यक्ति पौधें या फसल विकास से जुड़ी मिट्टी के रासायनिक, भौतिकीय, जैविकीय तथा खनिजकीय संयोजन का अध्ययन करते हैं। वे उर्वरकों, जुताई के तरीकों और फसल चम को लेकर विभिन्न प्रकार की मिट्टी के प्रत्युत्तरों का अध्ययन करते हैं।

पशुविज्ञान- पशु वैज्ञानिकों का कार्य है मांस, कुक्कुट, अण्डों तथा दूध् के उत्पादन तथा प्रोसेसिंग के बेहतर और अधिक कारगर तरीकों का विकास करना। डेयरी वैज्ञानिक, पशु प्रजनक तथा अन्य संबद्ध वैज्ञानिक घरेलू फार्म पशुओं के आनुवंशिकी, पोषण, प्रजनन, विकास तथा उत्पादन से जुड़े अध्ययन करते हैं।

प्रशिक्षण, अन्य योग्यताएं -

कृषि वैज्ञानिकों के प्रशिक्षण की अपेक्षाएं उनके विशेषज्ञता क्षेत्र तथा किए जाने वाले कार्यों की प्रकृति पर निर्भर करती है। अनुप्रयुक्त अनुसंधान के लिए या मौलिक अनुसंधान में सहायता के लिए कृषि विज्ञानों में बैचलर डिग्री पर्याप्त होती है लेकिन मौलिक अनुसंधान के वास्ते मास्टर्स या डॉक्टरल डिग्री अपेक्षित होती है। कॉलेज शिक्षण और प्रशासनिक अनुसंधान पदों में प्रगति के लिए सामान्यत: कृषि विज्ञान में पी-एच.डी. डिग्री अपेक्षित होती है।

कृषि विज्ञान में बी.ई. करने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए मौलिक पात्रता मानदंड भौतिकी, रसायन शास्त्र, गणित और वरीयतन जीव-विज्ञान विषयों के साथ 10+2 है। एक सुयोग्य कृषि इंजीनियर बनने के लिए किसी के भी पास कृषि इंजीनियरी में स्नातक डिग्री (बी.ई.बी.टेक) या कम से कम डिप्लोमा होना चाहिए। अनुसंधान के क्षेत्रों में कोई भी व्यक्ति कृषि अनुसंधान वैज्ञानिक (एआरएस) बन सकता है। इन पदों पर भर्ती संयुक्त प्रवेश परीक्षा के जरिए की जाती है। एआरएस नेट पी-एच.डी. उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को लेक्चरशिप तथा स्कॉलरशिप प्रदान करने हेतु आयोजित की जाती है।

दूसरा विकल्प कृषि विकास अधिकारी (एडीओ) बनने का है, जो पद खण्ड विकास अधिकारी के समकक्ष होता है। इन पदों पर भर्ती प्रवेश परीक्षा के आधार पर की जाती है।

तीसरे आपके पास निजी क्षेत्र के संगठनों में अनुसंधान वैज्ञानिक के पद पर आवेदन करने का विकल्प होता है। वहां पर आपकी सेवाएं निजी प्रयोगशालाओं में भी इस्तेमाल की जा सकती हैं। इस उद्देश्य के लिए अपेक्षित योग्यता डॉक्टरल स्तर की अर्थात पी-एच.डी. है।

बी.एससी. करने के उपरांत आप बैंकों, वित्त और बीमा कम्पनियों की नौकरियों के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और राष्ट्रीयकृत बैंक कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों में स्नातकोत्तरों के लिए फील्ड अधिकारियों, ग्रामीण विकास अधिकारियों तथा कृषि और परिवीक्षा अधिकारियों के पदों पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन जारी करते हैं। इनके अलावा फार्म प्रबंधन,भूमि मूल्यांकन, ग्रेडिंग, पैकेजिंग तथा लेबलिंग के क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध् हैं। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र, दोनों में भी विपणन और बि, परिवहन, फार्म उपयोगिता, भण्डारण आदि के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध् कराया जाता है।

कृषि विज्ञान में पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थान

- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय - कृषि केंद्र, अलीगढ़-202002 (उप्र.)
- चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय (उप्र.)
- डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ कृषि इंजीनियरी संकाय, डाकघर कृषि नगर, अकोला-444104
- गुजरात कृषि विश्वविद्यालय कृषि संकाय, सरदार कृषि नगर-385506, जिला बनासकांठा (गुजरात)
- इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय कृषक नगर, रायपुर-492006 (छत्तीसगढ़)
- जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय कृषि इंजीनियरी संकाय, कृषि नगर, अगरतला, जबलपुर-482004
- केरल कृषि विश्वविद्यालय कृषि संकाय, वेल्लानिकाड़ा, त्रिशूर-680654 (केरल)
- उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व-विद्यालय कृषि संकाय, भुवनेश्वर, खुर्दा-751003 (उड़ीसा)।

बिजली की निगरानी का कारोबार

जब बादल गरजने लगते हैं तो स्टीफन थर्न की नजरें तुरंत अपने कम्प्यूटर पर गड़ जाती हैं। यह इलैक्ट्रीकल इंजीनियर तुरंत जानना चाहते हैं कि कहीं आसमानी बिजली गिराने वाला तूफान तो आने वाला नहीं है। उनकी तकनीक ने उन्हें कभी निराश नहीं किया है। वह बहुराष्ट्रीय इलैक्ट्रॉनिक्स कम्पनी सीमन्स की 'द लाइटनिंग सर्विस' नामक जर्मन फर्म के प्रमुख हैं जो जर्मनी में प्रतिवर्ष औसतन 10 लाख बार आसमानी बिजली के कौंधने को दर्ज करती है। फर्म का जर्मन नाम 'ब्लित्जडेन्स्ट' है। जर्मन भाषा में 'ब्लित्ज' का अर्थ बिजली कौंधना होता है। जर्मनी भर में स्थापित 16 निगरानी केंद्र देश में बिजली कौंधने की सभी घटनाओं को दर्ज करने के लिए काफी हैं। अपनी सहयोगी कम्पनियों के साथ मिल कर सीमन्स यूरोप में ऐसे कुल 150 निगरानी केंद्र चला रही है। इन आंकड़ों की जरूरत इलैक्ट्रिसिटी कम्पनियों, हवाई अड्डों, बीमा कम्पनियों एवं सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजकों को पड़ती है जो इस सूचना के लिए फर्म को फीस देते हैं। आसमानी बिजली को दर्ज करना सरल है। इसकी हर कौंध के साथ इलैक्ट्रॉमैग्नेटिक तरंगें पैदा होकर तेज रफ्तार से सभी दिशाओं में फैल जाती हैं। आसमानी बिजली की निगरानी करने वाले केंद्र इन तरंगों को 600 किलोमीटर दूर से भी पहचान सकते हैं। स्टीफन के अनुसार इन्हें और भी दूरी से दर्ज किया जा सकता है। वह पुर्तगाल के आकाश में चमकने वाली बिजली की कौंध को जर्मनी के कार्लरुहे निगरानी केंद्र से दर्ज कर चुके हैं। जब आसमानी बिजली को कम से कम दो केंद्रों में दर्ज किया जाता है तो उनके समय तथा दूरी का आकलन करके स्थान का पता लग जाता है। जितने अधिक निगरानी केंद्र होंगे आसमानी बिजली के कौंधने के स्थान का पता उतनी ही सटीकता से लगाया जा सकता है। फिलहाल फर्म की सटीकता 200 से 700 मीटर तक है। बिजली कौंधने के स्थान में सबसे अधिक रुचि ओवरहैड पावर लाइन ऑप्रेटर्स को होती है। उनकी कोई तार टूटते ही वह जानना चाहते हैं कि इसकी वजह कहीं आसमानी बिजली का गिरना या पेड़ का गिरना तो नहीं है। यदि इलाके में बिजली गिरने की पुष्टि हो जाए तो तारों को जल्द से जल्द जोड़ा जा सकता है जबकि पेड़ गिरने की सूरत में उसे ठीक करने में अधिक समय लगता है। बीमा कम्पनियां बिजली गिरने से होने वाले नुक्सान के दावों की पड़ताल के लिए इस सूचना की मदद लेते हैं। अक्सर आसमान से गिरने वाली बिजली की वजह से सीधा नुक्सान नहीं होता है बल्कि इसकी वजह से वोल्टेज में होने वाली अत्यधिक वृद्धि के कारण होता है। इससे अढ़ाई किलोमीटर के दायरे में विद्युत उपकरणों में शॉर्ट-सर्किट हो सकता है।

जर्मनी में हर साल बिजली गिरने से होने वाले नुक्सान के 3 से 5 लाख दावे किए जाते हैं। दावों की राशि करीब 25 अरब रुपए होती है। बीमा कम्पनियां 'द लाइटनिंग सर्विस' से हासिल बिजली गिरने की घटनाओं के आंकड़ों की जांच करके तुरंत पता लगा लेती हैं कि दावा असली है या फर्जी।

वैसे फर्म केवल आसमानी बिजली की कौंध को दर्ज ही नहीं करती है, उसके आंकड़े चेतावनी जारी करने के काम भी आते हैं। कम्पनी के अनेक ग्राहक हैं जिन्हें समय रहते इलाके में बिजली चमकने या तूफान आने की पूर्व सूचना मिलती है और वे अपने बिजली के उपकरणों को बंद करके नुक्सान होने से बच जाते हैं।

महिलाएं विदेशों में जॉब के साथ-साथ बेहतर सैलरी के लिए अपनाएं यह कॅरियर

डॉक्टरों को दूसरा भगवान कहा जाता है क्योंकि मरीजों को स्वस्थ करने की जिम्मेदारी इन्हीं पर होती है लेकिन इस महत्वपूर्ण कार्य में नर्स की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता है। देखा जाए तो मरीजों की देखभाल की पूरी जिम्मेदारी इनके ऊपर ही होती है। तभी तो इन्हें सभी प्यार से सिस्टर भी कहते हैं। भारतीय सिस्टर विदेश का भी रुख करने लगी हैं क्योंकि विदेशों में इन्हें जॉब के साथ-साथ बेहतर सैलरी भी मिलने लगी है।

जॉब ऑप्शन

डी.पी.एम.आई. की प्रिंसीपल डॉक्टर अरुणा सिंह के मुताबिक आप 10वीं और 12वीं करने के बाद भी नर्सिंग के कोर्स में दाखिला ले सकती हैं। इस कोर्स की सफलतापूर्वक समाप्ति के बाद आपके लिए जॉब के कई रास्ते खुल जाते हैं। दरअसल, इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज जॉब की कोई कमी नहीं है। आप हॉस्पिटल, नर्सिंग होम्स, क्लीनिक और हैल्थ डिपार्टमैंट, ओल्ड एज होम्स, मिलिट्री हैल्थ सर्विस, स्कूल्स, रेलवे, पब्लिक सैक्टर, मैडीकल डिपार्टमैंट आदि में कार्य कर सकते हैं।

विदेश में अवसर

यदि आप इस क्षेत्र से जुड़ी हैं तो आज यूरोपियन देशों, ऑस्ट्रेलिया, अमरीका और खाड़ी देशों में जॉब की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। साथ ही इन देशों में आकर्षक सैलरी पैकेज के साथ ओवरटाइम भी मिलता है। यही वजह है कि भारतीय नर्स विदेश का रुख करने लगी हैं लेकिन यूरोप और अमरीका जाने के लिए सी.जी.एफ.एन.एस. (कमीशन ऑफ ग्रैजुएट ऑफ फॉरेन नर्सिंग स्कूल), टी.ओ.ई. एफ.एल. (टैस्ट ऑफ इंग्लिश एज ए फॉरेन लैंग्वेज), टी.डब्ल्यू.ई. (टैस्ट ऑफ रिटन इंग्लिश) और टी.एस.ई. (टैस्ट ऑफ स्पोकन इंगलिश) के एग्जाम के दौर से होकर जुड़ना पड़ सकता है।

सरकारी प्रयास

नर्सिंग एजुकेशन में व्यापक सुधार के लिए सरकार द्वारा करोड़ों रुपए खर्च करने की योजना है। इसके लिए हैल्थ मिनिस्ट्री ने 230 जिलों की पहचान की है जहां ऑग्जिलियर नर्स मिडवाइव्स (ए.एन.एम.) और ग्रैजुएट नर्स मिडवाइव्स (जी.एन.एम.) इंस्टीच्यूट खोला जाएगा। इसके अलावा, चार रीजनल इंस्टीच्यूट में नर्सिंग की शिक्षा को और बेहतर करने का प्रयास किया जा रहा है। सच तो यह है कि आज नर्स हैल्थ केयर सिस्टम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

पारिश्रमिक

नर्स की सैलरी उनकी योग्यता और अनुभव पर भी निर्भर करती है। सरकारी अस्पतालों में सैलरी 8 हजार से 15 हजार रुपए के करीब हो सकती है। लेकिन प्राइवेट और मिलिट्री नर्सिंग में कार्य करने वालों की सैलरी ज्यादा होती है।

रंगों की दुनिया में उभरते रोजगार

रंगों की दुनिया चमक-दमक से भरी होती है। इस बहुरंगी दुनिया में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। दुकान, मकान, घर और कल-कारखानों से लेकर हर छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए विभिन्न प्रकार के रंगों का इस्तेमाल होता है। रंगों के क्षेत्र में पेंट इंजीनियरिंग एक आकर्षक और बेहद फायदेमंद कॅरियर है।

मोटर वाहन उद्योग, विद्युत, रसायन और हल्के इंजीनियरिंग उद्योगों में भी रंगों का उपयोग बड़े पैमाने पर होता है। इस प्रकार पेंट के उपयोग के क्षेत्रों में विस्तार होने के साथ-साथ पेंट तकनीकी का भी काफी विकास हुआ है। जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के मौके बढ़े हैं। साथ ही हाल के वर्षों में पेंट की खपत भी बढ़ी है।

पेंट निर्माण के क्षेत्र में न केवल देशी कंपनियों में बढ़ोत्तरी हुई है बल्कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ-साथ कच्चा माल तैयार करने वाले उद्योगों में भी रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। लेकिन दूसरी इंजीनियरिंग शाखाओं की अपेक्षा पेंट इंजीनियरिंग की विस्तृत जानकारी के प्रचार-प्रसार का अभाव है। यह क्षेत्र उन युवाओं के लिए अत्यधिक उपयोगी है जो इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश नहीं मिल पाने पर निराश हो जाते हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए निम्न संस्थानों से संपर्क कर सकते हैं-

- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, नार्थ महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव- 425 001।
- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, अमरावती विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र।
- जगन्नाथ रथी वोकेशनल गाइडेंस एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फरगसन कालेज कैम्पस के सामने बीएमसीसी, पुणे।
- इंडस्ट्रीयल रिसर्च लैबोरेटरी, कैनाल साउथ रोड, कोलकाता।
- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, नाथलाल पारीख मार्ग, माटुंगा, मुंबई।
- रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जमशेदपुर, झारखंड।

पाकिस्तान की जेल से भागे 19 खूंखार कैदी... भारत का मोस्ट वांटेड भी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान ने भारत के एक मोस्ट वांटेड आंतकी को अपने घर में पाला हुआ था। अब पता चला है कि यह जेल तोड़कर भाग गया। पीआके के पुंछ में जिला जेल रावलकोट में मंगलवार को जेल ब्रेक की घटना हुई है। घटना में 19 कैदी फरार हो गए, इसमें से कुछ गंभीर अपराधों की सजा काट रहे थे। पिस्तौल के बल पर कैदियों ने जेल गार्ड को अपने कब्जे में लिया। जिन कैदियों ने भागने का प्लान बनाया था, वह मुख्य द्वार के गार्ड पर हावी हो गए। भागने वालों में मौत की सजा पाए छह कैदी भी शामिल हैं। इनका नाम साकिब मजीद, उस्मान इकरार, शमीर आजम, अमीर अब्दुल्ला, फैसल हमीद और नजीर यासीन है। भागने वाले अन्य कैदी नौमान आसिफ, आसिफ दिलबर और सकलैन सरफराज को 20 साल की सजा और मुकर्रम फैसल, साजिद नजीर और सोहेल रशीद को 10 साल की सजा हुई थी। गाजी शहजाद, फैजान अजीज, ओसामा मुर्तजा, उमाम मुस्तफा और मुहम्मद शब्बीर पर मुकदमा चल रहा था। एक अन्य कैदी हैबतुल्लाह लॉकअप में था। सूत्रों के हवाले से बताया कि गाजी शहजाद एक प्रतिबंधित संगठन का सदस्य है और भारत की ओर से वांटेड घोषित है। माना जा रहा है कि यही जेल तोड़ने का मास्टरमाइंड है। अधिकारियों ने इसकी जांच शुरू कर दी है कि जेल तोड़ने का कारण क्या था। जेल के कुछ अधिकारियों को उनके पद से बर्खास्त कर दिया गया है। जबकि कुछ अधिकारियों को पूछताछ के लिए गिरफ्तार किया गया है। हाई रिस्क के कैदियों को जेल से निकालकर दूसरी जगह ट्रांसफर किया गया है।

पॉप गानों के बादशाह जैक्सन पर था 500 मिलियन डॉलर का कर्ज, माइकल ने आभूषण, कला, फर्नीचर और उपहारों पर लुटाया पैसा

न्यूयार्क । पॉप गानों के बादशाह माइकल जैक्सन को दुनिया से गए हुए 15 साल बीत चुके हैं और लेकिन आज भी माइकल सुर्खियों में हैं। उसके गलत कारणों से आज भी वह चर्चा का विषय बना हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लॉस एंजिल्स में 50 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से इस पॉप गायक माइकल की मौत हो गई थी उस समय माइकल पर 500 मिलियन डॉलर से ज्यादा का कर्ज था।

रिपोर्ट के मुताबिक अदालत में दायर की गई फाइलिंग में माइकल की मृत्यु के समय उनके वित्तीय संकट के बारे में जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि माइकल जैक्सन ने आभूषण, कला, फर्नीचर और उपहारों पर बहुत ज्यादा खर्च किया, साथ ही यात्रा की और पैसे दान किए। माइकल जैक्सन महान संगीत कलाकारों में से एक हैं और लोग आज भी उनके गानों पर थिरकते नजर आते हैं। किंग ऑफ पॉप के नाम से मशहूर माइकल जैक्सन ने कई दशकों तक अपने चाहने वालों और कलाकारों को प्रभावित किया है। कलाकार के जीवन में भी उतार-चढ़ाव आए हैं। माइकल पर बच्चों के साथ यौन शोषण के आरोप भी लगे थे। सबूतों की कमी और पुलिस द्वारा कभी भी कोई आपराधिक आरोप नहीं लगाए जाने के बावजूद, माइकल ने इस मामले को कोर्ट के बाहर ही सुलझा लिया और जांच बंद हो गई। किंग ऑफ पॉप माइकल जैक्सन की बायोपिक पर काम कर रहे निर्माताओं ने इसकी रिलीज को हरी झंडी दे दी है। एंटोनी फूक्वा द्वारा निर्देशित और माइकल नामक बायोपिक 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज होगी। इस फिल्म में दिवंगत पॉप स्टार माइकल के भतीजे जाफर जैक्सन नजर आएंगे, जो हॉलीवुड में जाफर की पहली फिल्म भी होगी। प्रोडक्शन हाउस लायंसगेट इस फिल्म को रिलीज़ करेगा और इसका निर्माण इस साल 22 जनवरी को शुरू हुआ था। यह बायोपिक माइकल जैक्सन के जीवन और उनके संगीत प्रतिभा पर बनाई गई है।

सूडान में हुए हवाई हमले में 9 बच्चों की मौत, 11 घायल

खार्तूम । सूडान में अर्ध सैनिक बलों और सेना के बीच लड़ाई और तेज हो गई है। पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के हवाई हमले में कम से कम नौ बच्चे मारे गए और 11 अन्य घायल हो गए। एल फशर में एक गैर-सरकारी समूह, प्रतिरोध समिति ने एक बयान में कहा कि आरएसएफ के एक ड्रोन ने अल-फशर के अल-तिजानिया में अल-हिजरा मस्जिद पर प्रोजेक्टाइल से हमला किया, जिसमें नौ बच्चों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। एक न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक जिस जगह को टारगेट किया गया था वो विस्थापितों को भोजन उपलब्ध कराने वाली एक रसोई थी। आरएसएफ ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। 15 अप्रैल, 2023 से पूरे सूडान में आरएसएफ और सूडानी सशस्त्र बलों के बीच भीषण संघर्ष चल रहा है। इधर 10 मई से एल फशर में भीषण झड़पें हो रही हैं। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने पिछले महीने एक अपडेट में कहा कि घातक झड़पों में अब तक 16,650 लोगों की मौत हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने जून की शुरुआत में अनुमान लगाया था कि मौजूदा संघर्ष में सूडान में कम से कम 7.3 मिलियन लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हैं।

टैटू बनवाना हेल्थ के लिए काफी खतरनाक

-टैटू से बढ़ सकता है ब्लड कैंसर का खतरा

लंदन। ताजा अध्ययन में खुलासा हुआ है कि टैटू बनवाना हेल्थ के लिए काफी खतरनाक है। स्वीडन में किए गए एक स्टडी में पाया गया कि टैटू से ब्लड कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। इससे लिंफोमा बढ़ने का 21 प्रतिशत रिस्क हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्वीडन में लिंड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पाया कि टैटू से भी कैंसर का रिस्क हो सकता है। शोधकर्ताओं ने 10 साल यानी 2007 से 2017 तक स्वीडिश नेशनल कैंसर रजिस्टर का विश्लेषण किया। इसमें 20 से 60 वर्ष के लोग शामिल थे। स्टडी में मिला कि टैटू बनवाने वाले लोगों में बिना टैटू वाले लोगों की तुलना में लिंफोमा का खतरा 21 प्रतिशत अधिक था। वहीं जिन लोगों ने पिछले 2 सालों में टैटू बनवाया था उनमें लिंफोमा का खतरा 81 प्रतिशत अधिक था। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह समझना जरूरी है कि टैटू के लिए कौन सी स्याही यूज हो रही है यानी इसमें कौनसा केमिकल है, जो लिंफोमा के खतरे को बढ़ा सकते हैं। हालांकि, यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है बस दोनों के बीच कनेक्शन होने का दावा किया जा रहा है। अगर आप टैटू बनवाने के काफी शौकीन हैं तो इतनी चिंता करने की जरूरत नहीं है। आप बस कुछ बातों का ख्याल रखकर भी टैटू बनवा सकते हैं। टैटू बनवाने के लिए किसी आप किसी प्रोफेशनल टैटू आर्टिस्ट को ही चुनें। इसके अलावा उस जगह पर जाएं जहां हाइजीन का काफी ख्याल रखा जाता हो। टैटू मशीन पूरी तरह से क्लीन हो। इसके अलावा हमेशा अच्छे ब्रांड का इंक यूज करवाएं। लोकल क्वालिटी वाले इंक से टैटू न बनवाएं। अगर आपको कोई गंभीर बीमारी है तो स्किन स्पेशलिस्ट से सलाह जरूर लें। बता दें कि कई लोगों को टैटू बनवाने का शौक होता है। लोग अधिक फैशनेबल दिखने के लिए टैटू बनवाते हैं।

ट्रंप को लेकर कमला हैरिस से भिड़ गए एलन मस्क, कहा- झूठ बोलना अब काम नहीं करता है

वॉशिंगटन । टेस्ला के सीईओ और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क ने कमला हैरिस पर ट्रंप को लेकर किए गए सोशल पोस्ट को लेकर निशाना साधा है। हैरिस ने एक पोस्ट में लिखा था कि ट्रम्प देश भर में गर्भपात पर प्रतिबंध लगाएंगे और उसे रोकने और महिलाओं की प्रजनन प्रणाली को बहाल करने के लिए सब कुछ करने का वादा किया। ट्रम्प ने पिछले सप्ताह महीनों के संदेशों और अटकलों के बाद संघीय गर्भपात प्रतिबंध पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया, उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि गर्भपात की सीमा राज्यों पर छोड़ दी जानी चाहिए। उन्होंने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर कहा कि मेरा विचार अब यह है कि हमारे पास गर्भपात है जहां हर कोई इसे कानूनी दृष्टिकोण से चाहता है, राज्य वोट या कानून या शायद दोनों द्वारा निर्धारित करेंगे। और वे जो भी निर्णय लेते हैं वह देश का कानून होना चाहिए। ट्रम्प ने रो वी वेड मिसाल को समाप्त करने के अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का श्रेय लिया है, जिसने गर्भपात का संवैधानिक अधिकार दिया था।

पेरिस में आरएन पार्टी के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान आंसू गैस के गोल दागे गये , इस दौरान वहां से निकलता हुआ एक साइकिल सवार।

गाजा में हमास को खत्म करने के करीब : नेतन्याहू

यरूशलेम । इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वो गाजा पट्टी में हमास को खत्म करने के अंतिम चरण में पहुंच गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा कॉलेज के कैडेटों के साथ एक बैठक सोमवार को हुई जिसमें उन्होंने कहा कि हम हमास को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इससे एक दिन पहले नेतन्याहू ने गाजा डिवीजन का दौरा किया था और रक्षा मंत्री योआव गैलेंट और सेना के वरिष्ठ कमांड के साथ एक सुरक्षा बैठक की। जिसमें उन्होंने अनुमान लगाया कि लड़ाई अब अंतिम दौर में पहुंच गई है। बैठक में रफा में हमास पर सैन्य दबाव जारी रखने पर जोर दिया गया। सोमवार को इजरायली रक्षा बलों ने पूर्वी खान यूनिस से नागरिकों को बड़े पैमाने पर निकालने का आदेश दिया। इससे यह संकेत मिलता है कि सेना जल्द ही दक्षिणी गाजा शहर में अपने हमले फिर से शुरू कर सकती है। इस इलाके में हमास के सशस्त्र बल संगठित होकर इजरायल से लड़ रहे हैं। इजरायल ने अप्रैल की शुरुआत में खान यूनिस में बड़े पैमाने पर हमला किया था और उसके बाद अपने अधिकांश बलों को वापस बुला लिया था।

पड़ोस के पलटूराम फिर पटलने को तैयार, आधी रात को हुई सीक्रेट मीटिंग के बाद क्या गिर जाएगी प्रचंड सरकार?

काठमांडू, (एजेंसी)। नेपाल में एक और अभूतपूर्व मोड़ में दो सबसे बड़े दलों नेपाली कांग्रेस और नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (सीपीएन-यूएमएल) ने प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल को हटाने के लिए एक नया गठबंधन बनाने के लिए आधी रात को समझौता किया है। दोनों पार्टियों के नेताओं के हवाले से रिपोर्ट के मुताबिक 'प्रचंड' सत्ता से बाहर हो गए हैं। यह घटनाक्रम प्रचंड द्वारा चौथी बार विश्वास मत जीतने के ठीक एक महीने बाद घटित हुआ है। समझौते पर आधी रात को नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष और पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली ने ओली डेढ़ साल तक सरकार का नेतृत्व करेंगे, जिसके बाद वह

अगले चुनाव तक शेष 1.5 साल के लिए देउबा को सत्ता हस्तांतरित करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने खड़ा किया है। ओली को नेपाल की राजनीति में 'पलटूराम' के नाम से जाना जाता है। उनकी छवि ऐसी है कि नेपाल की राजनीति में ओली पर कोई भरोसा नहीं कर सकता।

78 वर्षीय देउबा और 72 वर्षीय ओली ने दोनों पार्टियों के बीच संभावित नए राजनीतिक गठबंधन के लिए जमीन तैयार करने के लिए शनिवार को मुलाकात की, जिसके बाद ओली की सीपीएन-यूएमएल ने प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार को समर्थन देने के बमुश्किल चार महीने बाद उसके साथ अपना संबंध समाप्त कर लिया। दोनों नेता नई सरकार बनाने, संविधान में संशोधन करने और सत्ता-साझाकरण फॉर्मूला तैयार करने पर सहमत हुए। इसके अतिरिक्त, नेपाल सरकार में सीपीएन-यूएमएल के आठ मंत्री सत्तारूढ़ गठबंधन में आधी रात के बदलाव के बाद अपने पदों से इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं। सीपीएन-यूएमएल के मुख्य सचेतक महेश बारटौला ने बताया।

हमारे मंत्री आज ही प्रधानमंत्री को अपना इस्तीफा सौंप देंगे। स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री भी जल्द ही अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। शाम तक नई सरकार बनने की उम्मीद है। राजनीतिक रूप से नाजुक हिमालयी राष्ट्र में एक नई 'राष्ट्रीय सर्वसम्मति सरकार' बनाने के लिए आधी रात को हुए समझौते का उद्देश्य प्रचंड को सत्ता से बाहर करना था। समझौते के तहत ओली डेढ़ साल के लिए नई 'राष्ट्रीय सर्वसम्मति सरकार' का नेतृत्व करेंगे। समाचार एजेंसी एएनआई की एक रिपोर्ट में नेपाली कांग्रेस के एक नेता के हवाले से कहा गया है कि देउबा शेष कार्यकाल के लिए प्रधान मंत्री होंगे।

भारत के साथ अपने संबंधों को और गहरा कर रहा अमेरिका, विदेश विभाग के उप प्रवक्ता ने किया दावा

अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका कई क्षेत्रों में भारत के साथ अपने संबंधों को गहरा कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में आर्थिक और सुरक्षा सहयोग शामिल है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वाशिंगटन इस रिश्ते को विकसित करना जारी रखेगा। पटेल की प्रतिक्रिया अमेरिका-भारत संबंधों और इटली में जी7 शिखर सम्मेलन के इतर राष्ट्रपति जो बिडेन और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हालिया बातचीत के बारे में एक सवाल के जवाब में आई। पटेल ने संवाददाताओं से कहा कि भारत एक ऐसा देश है जिसमें हम कई प्रमुख क्षेत्रों में अपने संबंधों को गहरा कर रहे हैं, खासकर जब यह हमारे आर्थिक संबंधों को गहरा करने, हमारे सुरक्षा सहयोग को गहरा करने से संबंधित है। उन्होंने कहा कि 'राष्ट्रपति बिडेन को कुछ हफ़्ते पहले जी7 के हाशिये पर प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी को संक्षेप में देखने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हम इस रिश्ते को विकसित करना जारी रखेंगे। यह देखते हुए कि अमेरिका ने पिछले साल राजकीय यात्रा के लिए प्रधान मंत्री मोदी की मेजबानी की थी, उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि कई अतिरिक्त क्षेत्र होंगे जहां हम सहयोग को गहरा करना जारी रखेंगे। विदेश विभाग के उप प्रवक्ता ने भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों के बारे में भी बात की और कहा कि अमेरिका उम्मीद करेगा कि दुनिया का कोई भी देश कहीं भी आतंकवाद की निंदा करेगा।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को राहत, मुकदमा नहीं चलेगा

- कैपिटल हिल दंगे में सुप्रीम कोर्ट ने लिया बड़ा फैसला, एक जज ने लिखा-अब तो राष्ट्रपति राजा हो गए

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ी राहत मिली है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा कि ट्रंप के राष्ट्रपति रहते हुए लिए गए कई फैसलों पर कानूनी कार्रवाई नहीं की जा सकती है। कैपिटल हिल दंगा मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को कुछ हद तक छूट होने की बात कही है। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने 6-3 से यह ऐतिहासिक फैसला सुनाया। ट्रंप पर आरोप था कि उन्होंने अमेरिका का राष्ट्रपति रहते हुए नवंबर 2020 के चुनाव में नतीजों को पलटने की साजिश रची थी। उनके कहने पर उनके समर्थकों ने अमेरिकी संसद पर चढ़ाई कर दी थी। इसे लेकर मुकदमा दाखिल किया गया और केस चलाया गया लेकिन ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि राष्ट्रपति होने के नाते उन्हें कई तरह की छूट हासिल थी। इसलिए उन पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। अब अमेरिकी कोर्ट ने भी उनकी दलील को सही ठहराया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ट्रंप को उनके आधिकारिक कृत्यों के लिए अभियोजन से छूट प्राप्त है और उनके अनाधिकारिक कामों के लिए कोई भी छूट नहीं है। आधिकारिक काम क्या है और अनाधिकारिक काम क्या है, इसे तय करने के लिए मामले को निचली अदालत में भेज दिया गया है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि ट्रंप के निजी दस्तावेजों को सबूत के रूप में पेश नहीं किया जा सकता। फैसले से असहमति रखने वाले एक जज ने जजमेंट में लिखा, इस फैसले से तो राष्ट्रपति कानून से ऊपर राजा हो गए हैं।

संकट में सुनीता विलियम्स की वापसी...?

-नासा के स्टारलाइनर' स्पेसक्राफ्ट में आग की संभावना

प्योंगयांग (एजेंसी)। वाशिंगटन (ईएमएस)। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स 5 जून को 'स्टारलाइनर' स्पेसक्राफ्ट के द्वारा स्पेस मिशन के लिए रवाना हुई थीं। उनके साथ एक और अंतरिक्ष यात्री बुश विलमोर भी थे, जो मिशन कमांडर हैं। दोनों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईसीसी) पर करीब 8 दिन का वक्त बिताकर वापस लौटना था लेकिन दुखद यह है कि अब तक दोनों की वापसी नहीं हो सकी है। इसका एक मात्र कारण हैं बोइंग स्पेसक्राफ्ट का धोखा देना है। इस कारण सुनीता की सुरक्षित वापसी को लेकर दुआएं मांगी जा रही हैं। सुनीता जिस स्पेसक्राफ्ट के द्वारा इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) तक पहुंचीं, उस अमेरिकी एयरक्राफ्ट कंपनी बोइंग ने डेवलप किया है।

कंपनी इस स्पेस कैप्सूल' भी कहती है। बोइंग ने अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा (नासा) के कॉमर्शियल स्पेस प्रोग्राम के लिए स्पेसक्राफ्ट को डेवलप किया। हालांकि जब स्टारलाइनर को लांच किया जा रहा था, तभी इसमें से हिलियम गैस लीक हो रही थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बोइंग के इंजीनियर्स को लॉन्चिंग के दौरान गैस लीक के बारे में पता था, पर तब उन्हें नहीं लगा कि यह कोई बड़ी समस्या है पर यात्रा के दौरान स्पेसक्राफ्ट में 4 और जगह से हिलियम गैस का रिसाव होने लगा।

वहीं नासा के मुताबिक ऐसा बिलकुल नहीं है कि 'स्टारलाइनर' का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इमरजेंसी में विलियम्स और उनके साथी एस्ट्रोनॉट स्पेसक्राफ्ट से धरती तक लौट सकते हैं। पर फिलहाल एजेंसी पूरी समस्या की तह तक पता लगा रही है कि आखिर इन फ्लाइट में गैस क्यों और कैसे लीक हुई और थ्रस्टर क्यों फेल हुए। इसकारण एस्ट्रोनॉट्स की वापसी टाल दी गई है।

हालांकि जानकारों की राय नासा के बिल्कुल विपरीत है। उनके मुताबिक स्टारलाइनर में हिलियम गैस का रिसाव गंभीर समस्या की तरफ इशारा करता है। अगर गैस रिसाव का पता नहीं लगाया गया और इस ठीक नहीं किया गया तब रिटर्न फ्लाइट में आग लगने की संभावना है। इस केस में सुनीता विलियम्स और विल्मोर की जान भी जा सकती है।

अमरीका में कांग्रेस प्रतिनिधि सभा के लिए चुनाव लड़ने जा रहें डॉ. प्रशांत रेड्डी

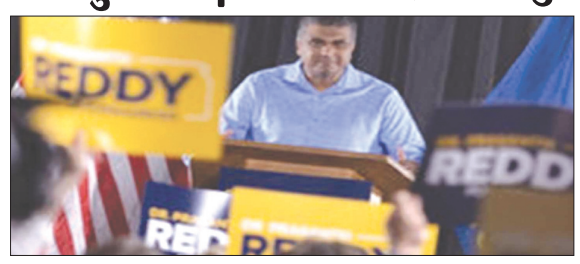

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय मूल के डॉ. प्रशांत रेड्डी अमरीका में होने वाले चुनाव में कांग्रेस प्रतिनिधि सभा के लिए लड़ने जा रहें है। अमेरिकी इतिहास में प्रतिनिधि सभा के लिए चुनाव लड़ने हेतु रिपब्लिकन पार्टी द्वारा नामित होने वाले बॉबी जिंदल के बाद वे दूसरे इकलौते भारतीय है। यदि वे चुनाव जीत जाते है, तब रेड्डी अमेरिका के इतिहास में कांग्रेस प्रतिनिधि सभा के लिए चुने जाने वाले दूसरे भारतीय अमेरिकी रिपब्लिकन कांग्रेसमैंन बन जाएंगे तथा अमेरिकन सत्ता के निकट रहने वाले ताकतवर नेता के रुप में उभर सकते है। अमरीकी सेना और चिकित्सा के क्षेत्र में लंबे समय तक सेवाएँ देने वाले डॉ. प्रशांत रेड्डी का जन्म दक्षिण भारत के चेन्नई शहर में हुआ। वे पाँच वर्ष की उम्र में अपने परिवार के साथ मैनहट्टन, कैनसस में जाकर बस गए थे।

डॉ. रेड्डी आंतरिक चिकित्सा, चिकित्सा ऑन्कोलॉजी और हेमाटोलॉजी में ट्रिपल-बोर्ड प्रमाणित चिकित्सक हैं। उन्होंने कैंसर की दवा पर भी काम किया। जब अमरीका में 9/11 का अकल्पनीय हादसा हुआ था, तब डॉ. रेड्डी ने अपने देश की सेवा करने का अहम फैसला किया और एक सैन्य चिकित्सक के रूप में यूनाइटेड स्टेट्स एयर फ़ोर्स रिज़र्व में शामिल हो गए। लगभग 20 वर्षों की सैन्य सेवा के बाद, उन्होंने लेफ्टिनेंट कर्नल का पद अर्जित किया और चिकित्सा सेवा करना जारी रखा।

छात्र जीवन से ही प्रतिभाशाली प्रशांत को हाई स्कूल के वरिष्ठ छात्र के रूप में, बर्कले, सीए में लॉरेंस लिवरमोर नेशनल लेबोरेटरी में जैविक विज्ञान के क्षेत्र में कैनसस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ क्लिनिकल रिसर्च करिकुलम अवार्ड प्रोग्राम के माध्यम से कैनसस विश्वविद्यालय से एम.पी.एच. प्राप्त किया। दिसंबर 2016 से जुलाई 2019 तक, प्रशांत ने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में लीडरशिप डेवलपमेंट का कार्यक्रम भी पूरा किया, जिससे उन्हें हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में पूर्व छात्र का दर्जा भी प्राप्त हुआ। अपने पूरे वयस्क जीवन के दौरान, प्रशांत रेड्डी चिकित्सा और सैन्य सेवा के माध्यम से अपने समुदाय और देश को सेवाएँ दे रहे हैं। अब उन्हें एक बार फिर से कैनसस जिले में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में आगे आने और सेवा करने के लिए कहा गया है।

इमरान को रिहा करो, जबरन जेल में कर रखा कैद: यूएन

- पाकिस्तान ने इंटरनेशनल कानून का उल्लंघन किया है

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पिछले एक साल से जेल में बंद हैं। इमरान खान को पाकिस्तानी हुकूमत ने जबरन और मनमाने ढंग से जेल में कैद कर रखा है। यूनाइटेड नेशन ह्यूमन राइट वर्किंग ग्रुप ने पाकिस्तान की पोल खोल दी है। यूनाइटेड नेशन ह्यूमन राइट्स वर्किंग ग्रुप ने कहा कि इमरान खान को मनमाने ढंग से पाकिस्तान में हिरासत में रखा गया है। पाकिस्तान का यह कदम इंटरनेशनल कानून का उल्लंघन है। संयुक्त राष्ट्र की इस बॉडी ने इमरान खान की तुरंत रिहाई की वकालत की है। जेनेवा स्थित यूनाइटेड नेशन वर्किंग ग्रुप ने कहा कि उचित तो यह होगा कि इमरान खान को तुरंत रिहा किया जाए। उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार मुआवजा दिया जाए और उन्हें अन्य क्षतिपूर्ति को लागू करने योग्य अधिकार दिया जाए। संयुक्त राष्ट्र कार्य समूह ने अपनी राय में ये बातें कही हैं। उसने कहा कि वर्किंग ग्रुप इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि उनकी हिरासत का कोई कानूनी आधार नहीं था। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें राजनीतिक पद के लिए अयोग्य घोषित करने का इरादा था। इस प्रकार शुरू से ही अभियोजन पक्ष कानून पर आधारित नहीं था और कथित तौर पर एक राजनीतिक उद्देश्य के लिए इस्तेमाल किया गया था। दरअसल, यूनाइटेड नेशन वर्किंग ग्रुप की यह राय 25 मार्च को लिखी गई थी मगर यह हाल ही में सार्वजनिक की गई। इस ग्रुप में पांच एक्सपर्ट हैं। इनकी राय भले ही बाध्यकारी नहीं है, मगर प्रतिष्ठा के लिहाज से काफी अहम है। पांच सदस्यों वाली इस टीम ने कहा कि इमरान खान की कानूनी परेशानियां उनके और उनकी पाकिस्तान तहरी-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के खिलाफ दमन के बहुत बड़े अभियान का हिस्सा थीं। यूनाइटेड नेशन ह्यूमन राइट वर्किंग ग्रुप ने कहा कि 2024 के आम चुनावों से पहले इमरान खान की पार्टी के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। उन्हें प्रताड़ित किया गया और उनकी रैलियों को बाधित किया गया। संयुक्त राष्ट्र के इस समूह ने पाकिस्तान के आम चुनाव वाले दिन व्यापक तौर पर धोखाधड़ी और दर्जनों संसदीय सीटों पर धांधली का भी आरोप लगाया। हालांकि, पाकिस्तानी सरकार ने अभी तक इस राय पर कोई टिप्पणी नहीं की है मगर पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने फरवरी के आम चुनावों में धांधली से इनकार किया है। इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। पाकिस्तान की एक अदालत ने उन्हें सरकारी उपहार बेचने के बाद संपत्ति छिपाने का दोषी पाते हुए तीन साल की जेल की सज़ा सुनाई थी। इसकी वजह से इमरान खान के चुनाव लड़ने पर बैन लगा दिया गया था।

पीएम मोदी का तंज,

बालक बुद्धि का भरोसा नहीं.....कभी गले पड़ता है, कभी आंख मारता

नई दिल्ली । (एजेंसी)

18वीं लोकसभा के पहले संसद सत्र का मंगलवार को सातवां दिन है। इस बीच पीएम मोदी भी लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के तहत जवाब दे रहे हैं। लोकसभा में अपने भाषण के दौरान पीएम मोदी ने यूपी के हाथरस में हुए हादसे पर दुख जाहिर किया। उन्होंने कहा कि इस हादसे में जिनकी भी जान गई उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। साथ ही जो घायल हुए हैं उनके जल्द ही स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मैं इस सदन के माध्यम से सभी को भरोसा देता हूं कि सभी पीड़ितों की मदद की जाएगी।

इसके पहले पीएम मोदी ने कहा कि अब चुनाव हो चुके हैं। देशवासियों ने पांच सालों के लिए विकसित भारत बनने का काम एनडीए को सौंप दिया है। आवश्यक है कि विकसित भारत के निर्माण के लिए सदन के सभी माननीय सदस्यों का योगदान होना चाहिए। मैं सभी सांसदों को निमंत्रण देता हूं कि भारत को विकसित बनाने में आप भी आगे आइए।

सेना में भर्ती पर कांग्रेस झूठ फैला रही

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सेना पर सवाल उठाया गया। यह देश के लिए गंभीर बात है। युवाओं का मनोबल गिराने की कोशिश हो रही है। सेना में भर्ती पर कांग्रेस झूठ फैला रही है। युवा को सेना से दूर रखने का षड्यंत्र हो रहा है। वन रैंक वन पेंशन पर झूठ फैलाया गया। वहीं नीट पेपर लीक मामले पर पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अत्यंत गंभीर हैं। मैं देश के नौजवानों से कहना चाहूंगा कि देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला कर कहा कि हिंदू परंपरा, हिंदू समाज इस देश की विरासत को नीचा दिखाना, गाली देना, अपमानित करना हिंदुओं का मजाक करना फैशन बन गया। इस संरक्षण देने का काम अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए इसतरह के तत्व कर रहे हैं। हमारे देवी देवताओं का अपमान 140 करोड़ लोगों के देशवासियों के दिलों को चोट पहुंचा रहा है। सदन के कल के दृश्यों को देखकर अब हिंदू समाज को भी सोचना होगा क्या ये अपमान केवल संयोग है या कोई प्रयोग की तैयारी है ये हिंदू समाज को सोचना पड़ेगा।

आंबेडकर ने क्यों दिया था नेहरू कैबिनेट से इस्तीफा

पीएम मोदी ने कहा ये वे लोग हैं जिन्होंने प्रारंभ से देश के दलितों और पिछड़ों के साथ घोर अन्याय किया है। इसकारण से बाबा साहेब आंबेडकर ने कांग्रेस की दलित विरोधी मानसिकता के कारण नेहरू कैबिनेट से इस्तीफा दिया था। इस्तीफा देकर आंबेडकर ने कहा था कि मैं सरकार द्वारा एससी जातियों की उपेक्षा पर अपने अंदर उत्पन्न आक्रोश को रोक नहीं सकता। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में राहुल गांधी का नाम लिए बना तंज कसते हुए कहा कि कल जो हुआ उसे गंभीरता से लिए बिना हम संसदीय लोकतंत्र को संरक्षित नहीं कर सकते है। इस हरकत को बालक बुद्धि मानकर अब नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कतई नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मैं इसलिए कह रहा हूं कि इसके पीछे इरादे नेक नहीं है। मैं देशवासियों को भी जगाना चाहता हूं। इन लोगों का झूठ हमारे देश के नागरिकों की विवेक बुद्धि पर आशंका व्यक्त करता है। पीएम मोदी ने कहा ईवीएम को लेकर झूठ, संविधान को लेकर झूठ, आरक्षण को लेकर झूठ, उससे पहले राफेल को लेकर झूठ, एचएएल को लेकर झूठ, एलआईसी को लेकर झूठ, बैंकों के लेकर झूठ, कर्मचारियों को भी भड़काने के प्रयास हुआ। हौसला इतना बढ़ गया कि सोमवार को अग्निवीर को लेकर सदन में झूठ बोला गया। सोमवार को सदन में भरपूर असत्य बोला गया कि एमएसपी नहीं दिया जा रहा है। संविधान की गरिमा से खिलवाड़ ये सदन का दुर्भाग्य है और अनेक बार लोकसभा में जीतकर सदन की गरिमा के साथ खिलवाड़ करें ये शोभा नहीं देता है।

राज्यसभा जाएगें उपेंद्र कुशवाहा ?

पटना । (एजेंसी)

बिहार में काराकाट सीट से लोकसभा चुनाव हार चुके उपेंद्र कुशवाहा के नुकसान की भरपाई के लिए पीएम मोदी ने उन्हें राज्यसभा का तोहफा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उपेंद्र कुशवाहा को बीजेपी से राज्यसभा का टिकट देने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि बिहार बीजेपी अध्यक्ष और डेप्युटी सीएम सम्राट चौधरी ने इसकी पुष्टि भी की है।

हालांकि इससे पहले उपेंद्र कुशवाहा के विधानपरिषद में जाने की चर्चा थी लेकिन वो टिकट उन्हें नहीं मिला। कहा जा रहा है कि बीजेपी ने पहले से ही उनके लिए कुछ बड़ा सोच रखा था। इस लोकसभा चुनाव उपेंद्र कुशवाहा की किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया था। साथ ही राजग के कुशवाहा वोट तक उन्हें ढंग से ट्रांसफर नहीं हो पाए थे। काराकाट में इसी वजह से उपेंद्र कुशवाहा को माले के राजाराम कुशवाहा ने हार का मुंह दिखा दिया। यही नहीं उपेंद्र कुशवाहा इस चुनाव में तीसरे नंबर पर आ गए थे। ऐन वक्त पर बीजेपी से दगा कर चुनाव में खड़े होने वाले भोजपुरी पावर स्टार पवन सिंह दूसरे नंबर पर रहे। यदि हार जीत का अंतर देखें तो उपेंद्र कुशवाहा को विजयी उम्मीदवार राजाराम कुशवाहा से 1,26,705 वोटों से पीछे रह गए। अंत तक कुशवाहा ने पीएम मोदी का साथ नहीं छोड़ा। हारने के बाद भी उन्हे उम्मीद थी कि उपेंद्र कुशवाहा विधानपरिषद जाएंगे, लेकिन वहां भी उन्हें टिकट नहीं मिला। आखिर में पीएम मोदी ने उपेंद्र कुशवाहा को राजग से वफादारी का इनाम दे दिया। बीजेपी ने सम्राट चौधरी पर कुशवाहा वोटों के लिए दांव लगाया था। उन्हें बीजेपी ने पहले बिहार का प्रदेश अध्यक्ष बनाया और फिर बाद में उपमुख्यमंत्री। कहा जा रहा है कि सम्राट चौधरी कुशवाहा वोटों को बीजेपी के पाले में पूरी तरह से लाने में नाकाम रहे। वोट बैंक की बात करें तो उपेंद्र कुशवाहा के इधर-उधर जाने से उनका वोट बैंक थोड़ा बहुत ही छिटका है। ऐसे में बीजेपी को उम्मीद है कि सम्राट न सही लेकिन कुशवाहा इन वोटों को विधानसभा चुनाव में वापस लाने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसीलिए अब सम्राट और कुशवाहा की जोड़ी को बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में आगे करने की तैयारी है।

जुलाई में मूसलाधार बारिश का अनुमान, यूपी और बिहार को लेकर संशय

नई दिल्ली ।

इस साल जून में पड़ी गर्मी ने 123 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। हालांकि अब आईएमडी की भविष्यवाणी किसानों को खुश करने वाली है। भारतीय मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में बताया है कि जुलाई माह में सामान्य से अधिक बारिश होने की उम्मीद है। इस महीने में देशभर में करीब 106 प्रतिशत बारिश दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग की यह रिपोर्ट किसानों के लिए अच्छी है, क्योंकि वे खरीफ फसलों, खासकर धान जैसी फसलों की बुवाई की तैयारी में है, धान को ज्यादा पानी की जरूरत होती है। इसके पहले उत्तर-पश्चिम भारत में जून का महीना असाधारण रूप से सूखा रहा, क्योंकि इस दौरान करीब 32.6 प्रतिशत तक कम बारिश दर्ज की गई। इस दौरान लू के भी खूब थपेड़े चल और 123 सालों में सबसे गर्म जून दर्ज किया गया। वहीं जुलाई को लेकर आईएमडी के पूर्वानुमान से साफ होता है, कि पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में सामान्य से अधिक बारिश होगी। हालांकि मौसम विभाग ने इन इलाकों में बेहद तेज बारिश को लेकर भी चेतावनी दी है, जो विनाशकारी हो सकती है। आईएमडी के महानिदेशक डॉ. एम. महापात्रा के अनुसार, जुलाई में अधिक बारिश से पश्चिमी हिमालयी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर और तलहटी राज्यों में नदी के बाढ़ आ सकती है। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बादल फटने, भारी बारिश और भूस्खलन के कारण विनाशकारी प्रभाव देखने को मिल सकता है। साथ ही मध्य भारत के कुछ हिस्सों में गोदावरी, महानदी के आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश की उम्मीद है, इसलिए यहां बाढ़ की आशंका है। हालांकि, बिहार-यूपी के अलावा पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में जुलाई महीने में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि पूर्वोत्तर भारत के अलावा, पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों जैसे गोरखपुर, बिहार के पश्चिमी जिले, झारखंड में भी दक्षिण-पूर्वी प्रायद्वीपीय भारत और लद्दाख के कुछ हिस्सों के साथ-साथ सामान्य से कम बारिश हो सकती है।

संसद में अयोध्या में विस्थापितों को दिए गए मुआवजे को लेकर राहुल गांधी ने गलतबयानी की – योगी

लखनऊ ।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संसद में अयोध्या में विस्थापितों को दिए गए मुआवजे को लेकर राहुल गांधी ने गलतबयानी की है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में विभिन्न विकास कार्यों के दौरान विस्थापित हुए लोगों को 1,733 करोड़ रुपए की धनराशि मुआवजे के तौर पर प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हम सबने राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव में झूठे और गुमराह करने वाले वक्तव्य देते हुए देखा है। संविधान का गला घोंटने वाले लोगों ने संविधान के बारे में गुमराह करने वाले वक्तव्य देने के लिए विदेशी पैसों के बल पर चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास किया था। फर्जी बॉन्ड भरवाकर भारत की माताओं और बहनों को गुमराह करने का कार्य किया। आज फिर इन्होंने झूठा बयान दिया है, जो अत्यंत निंदनीय और शर्मनाक है। सीएम योगी ने कहा कि हर कोई जानता है कि अयोध्या को उसकी पहचान से किसने वंचित किया है। राहुल गांधी और उनके सहयोगियों ने न केवल अयोध्या को वनवास दिया था, बल्कि सरयू को भी रक्तरंजित किया था। आज जब अयोध्या अपने वैभव को पुनः प्रतिष्ठापित करते हुए पूरी दुनिया को अपनी ओर आकर्षित कर रही है, तो कांग्रेस इसे कैसे अच्छा मान सकती है। कांग्रेस झूठ का पुलिंदा है। सच ये है कि 1,733 करोड़ रुपए केवल मुआवजे के लिए अयोध्यावासियों को उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि चाहे रामपथ हो, भक्तिपथ हो, जन्मभूमि पथ हो या एयरपोर्ट हो, जिसकी जमीन, दुकान, मकान इसमें शामिल थी, उन्हें मुआवजा दिया गया है। जिनके पास पीछे दुकान बनाने की जगह थी, उनके दुकान बने हैं, जिनके पास स्पेस नहीं था, उन्हें मल्टी लेवल कॉम्प्लेक्स बनाकर दुकान देने के कार्य को आगे बढ़ाया गया।

दुष्कर्म पीड़िता की डिलिवरी का खर्च दिल्ली सरकार उठाएः हाई कोर्ट

नई दिल्ली। (एजेंसी)

एक नाबालिक से दुष्कर्म हुआ और वो गर्भवती हो गई। पीड़िता ने अपने पिता के माध्यम से दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर 26 सप्ताह के गर्भ को गिराने की अनुमति देने की गुहार लगाई। उच्च न्यायालय ने पीड़िता की मेडिकल जांच कराई तो पाया कि गर्भपात से बच्चे के साथ लड़की की जान को भी खतरा हो सकता है। हाईकोर्ट ने नाबालिग के प्रसव तक उसे एम्स में भर्ती करने और उसका तमाम खर्च दिल्ली सरकार की ओर से उठाए जाने का निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति मिनीषुष्करणा की पीठ ने इस मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि पीड़िता के परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। पीड़िता का परिवार इस समय दोहरी मार से गुजर रहा है। एक तरफ से उनकी बच्ची अपराध के कारण गर्भवती है, वहीं दूसरी तरफ बच्ची और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए पोषण की आवश्यकता है।

याचिकाकर्ता के वकील ने पीठ से एक और अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि नाबालिग का प्रसव कराने वाले डॉक्टर्स को निर्देश दिया जाए कि प्रसव के समय ही बच्चे का डीएनए संरक्षित कर लिया जाए, क्योंकि यह एक आपराधिक मामला है। इसलिए अदालत में मामले की सुनवाई के दौरान बच्चे का डीएनए साक्ष्य के तौर पर रिकार्ड पर रखा जा सकता है। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील के इस आग्रह का स्वीकार कर लिया। पीठ ने डॉक्टरों को बच्चे के जन्म के समय उसका डीएनए कानून के हिसाब से संरक्षित करने को कहा है।

हालात यह हैं कि पीड़िता को गर्भपात की अनुमति दी नहीं दी जा सकती। ऐसे में पीठ ने बीच का रास्ता निकाला है। पीठ ने नाबालिग को तत्काल एम्स में भर्ती करने के आदेश दिया है। प्रसव तक पीड़िता वहीं रहेगी। पौष्टिक आहार, प्रसव पूर्व की देखभाल और सुविधाएं नाबालिग को दी जाएंगी। समय-समय पर मनोचिकित्सक नाबालिग की काउंसलिंग भी करेंगे। नाबालिग पीड़िता के पिता की तरफ से उनके अधिवक्ता ने पीठ के समक्ष कहा कि वह चाहते हैं कि नाबालिग का प्रसव एम्स में हो और बच्चे के जन्म के बाद वहीं से उसको गोद देने की प्रक्रिया संबंधित सरकारी विभाग की ओर से शुरू की जाए। पीठ ने इस मसले पर बहरहाल कोई टिप्पणी नहीं की है।

राहुल गांधी के हिन्दुत्व वाले बयान को लेकर बवाल, गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर पथराव

अहमदाबाद । (एजेंसी)

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के हिन्दुत्व को लेकर दिए बयान के बाद हिन्दू संगठनों में आक्रोश भड़क उठा है. अहमदाबाद स्थित गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में देर रात राहुल गांधी के पोस्टर पर कालिख पोतने के बाद आज सुबह पथराव की खबर सामने आई है. घटना को लेकर गुजरात कांग्रेस ने कहा कि अगर हिम्मत है तो सामने आकर मुकाबला करे, इस प्रकार का हमला कायरता दर्शाता है. बता दें कि सोमवार को लोकसभा में राहुल गांधी ने कहा था कि 'जो लोग खुद को हिन्दू कहते हैं वह हिंसा करते हैं और नफरत फैलाते हैं.' राहुल गांधी के इस बयान का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तुरंत विरोध किया था. राहुल गांधी के इस बवाल को लेकर गुजरात समेत देशभर में बवाल मच गया है. सोमवार को वाराणसी में राहुल गांधी का पुतला फूंका गया था. वहीं सोमवार देर रात अहमदाबाद स्थित गुजरात प्रदेश मुख्यालय में बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के पोस्टर पर कालिख पोत कर आक्रोश व्यक्त किया. मंगलवार की सुबह प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर पथराव किया गया. पथराव की घटना के बाद प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. पथराव की घटना को लेकर कांग्रेस की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है. गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता हेमांग रावल ने कहा कि इस प्रकार कायरतापूर्ण हमला कर उन्होंने साबित कर दिया है कि वह हिन्दू नहीं बल्कि गुंडे हैं. राहुल गांधी के बयान को सही ठहराते हुए हेमांग रावल ने कहा कि कांग्रेस को हिन्दुत्व के मामले में ऐसे लोगों से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है. भाजपा, विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल में अगर ताकत है तो सामने आएं, हम यहीं हैं. उन्होंने कहा कि हमारे चौकीदार और उसकी गर्भवती पुत्री समेत परिवार पर हमला किया गया है. इस मामले में प्रदेश कांग्रेस प्रमुख के साथ संकलन में रहकर हरसंभव कानूनी कार्यवाही करेंगे.

पुणे में तेजी से फैल रहा जीका वायरस, दो गर्भवती महिलाओं समेत 6 लोग संक्रमित

पुणे। (एजेंसी)

पुणे में तेजी से जीका वायरस फैल रहा है. पुणे शहर में जीका वायरस के छह मामले सामने आए हैं. स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि मरीजों में दो गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं. एरंडवाने क्षेत्र की एक 28 वर्षीय गर्भवती महिला में जीका वायरस का संक्रमण पाया गया था. अब बीते शुक्रवार को उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई. जबकि एक अन्य गर्भवती महिला को सोमवार को संक्रमण का पता चला. एक अधिकारी ने कहा कि दोनों महिलाओं की हालत ठीक है और उनमें कोई लक्षण नहीं हैं. गर्भवती महिलाओं में जीका वायरस भ्रूण में माइक्रोसेफेली (ऐसी स्थिति जिसमें असामान्य मस्तिष्क विकास के कारण सिर काफी छोटा हो जाता है) का कारण बन सकता है. जीका वायरस के संक्रमण का पहला मामला एरंडवाने से सामने आया था, जब एक 46 वर्षीय डॉक्टर की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी. इसके बाद उनकी 15 वर्षीय बेटी का सैंपल भी पॉजिटिव आया. अधिकारी ने बताया कि मुंढवा में भी एक 47 वर्षीय महिला और 22 वर्षीय युवक जीका वायरस से संक्रमित है. जीका वायरस बीमारी संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलती है, जिसे डेंगू और चिकनगुनिया जैसे संक्रमण फैलाने के लिए भी जाना जाता है. इस वायरस की पहचान सबसे पहले 1947 में युगांडा में हुई थी. पुणे महानगरपालिका का स्वास्थ्य विभाग निगरानी कर रहा है. उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए फॉगिंग और फ्यूमिगेशन जैसे उपाय किए जा रहे हैं.

– कैसे फैलता है जीका वायरस?

जीका वायरस संक्रमित मच्छर एडीज एजिप्टी और एल्बोपिक्टस के काटने से फैलता है. यह वायरस यौन संपर्क, ब्लड इंफेक्शन या प्रसव के दौरान संक्रमित मां से बच्चे में प्लेसेंटा के जरिए बहुत तेजी से फैल सकता है. इसलिए गर्भवती महिला को पहली तिमाही में अल्ट्रासाउंड स्क्रीनिंग कराते वक्त सावधान रहना चाहिए.

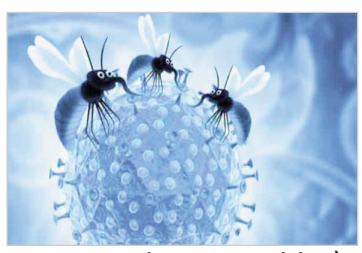

– जीका वायरस के लक्षण

आमतौर पर जीका वायरस से संक्रमित 80 फीसदी लोगों में कोई संक्रमण नहीं दिखते, लेकिन अगर किसी को बुखार, दाने, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द या कंजेक्टिवाइटिस जैसा लग रहा है, तो इग्नोर नहीं करना चाहिए. यह लक्षण संक्रमित मच्छर के काटने के एक सप्ताह बाद दिखाई देते हैं और बाद में लगभग एक सप्ताह तक बने रह सकते हैं.

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चेताया कहा- ऐसे तो बहुसंख्यक भी हो जाएंगे अल्पसंख्यक

प्रयागराज। (एजेंसी)

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जिस प्रकार से धर्मांतरण किया जा रहा है, अगर यह जारी रहा तो देश की बहुसंख्यक आबादी अल्पसंख्यक हो जाएगी। कोर्ट ने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में एससी/एसटी और आर्थिक रूप से गरीब व्यक्तियों का ईसाई धर्म में अवैध धर्मांतरण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने धर्मांतरण कराने के आरोपी कैलाश की जमानत याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की।

हमीरपुर के थाना मौदहा में याची कैलाश पर अवैध रूप से धर्म परिवर्तन कराने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। शिकायतकर्ता रामकली प्रजापति के भाई रामफल को कैलाश हमीरपुर से दिल्ली में सामाजिक समारोह और कल्याण समारोह में भाग लेने के लिए ले गया था। एफआईआर के अनुसार, उक्त गांव के कई लोगों को समारोह में ले जाया गया और उन्हें ईसाई धर्म में परिवर्तित कर दिया गया। शिकायतकर्ता का भाई मानसिक बीमारी से पीड़ित भी था। याची अधिवक्ता ने कहा कि याची ने शिकायतकर्ता के भाई का धर्मांतरण नहीं किया था। सोनू पास्टर ही ऐसी सभा कर रहा था और उसे पहले ही जमानत पर रिहा किया जा चुका है। वहीं, राज्य की ओर से पेश अपर महाधिवक्ता पीके गिरी ने कहा कि ऐसी सभा आयोजित कर बड़ी संख्या में लोगों को ईसाई धर्म में परिवर्तित किया जा रहा है। कैलाश लोगों को ईसाई धर्म में परिवर्तित करने के लिए गांव से ले जा रहा था और इस कार्य के लिए उसे बहुत सारा पैसा दिया जा रहा था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विभिन्न सरकारी भवनों और निजी प्रतिष्ठानों में फायर प्रिवेंशन एंड फायर सेफ्टी एक्ट 2005 का अनुपालन नहीं होने को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने यह भी बताने को कहा है कि अग्निशमन विभाग ने विभिन्न प्रतिष्ठानों को नोटिस देने के अलावा अब तक क्या किया है।

संक्षिप्त समाचार

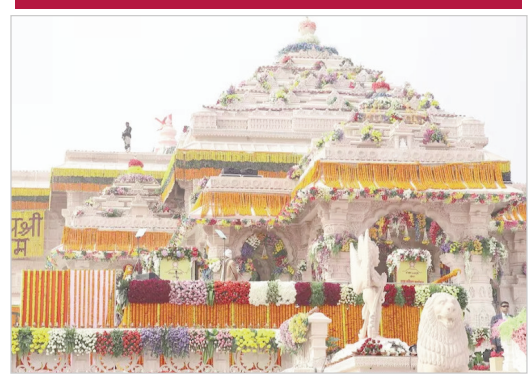

अयोध्या के राम मंदिर में लागू होगा ड्रेस कोड

अयोध्या । (एजेंसी)

अयोध्या में प्रभु राम के विराजमान होने को लगभग 6 महीने पूरे हो गए हैं। रोज लाखों राम भक्त प्रभु राम केका दर्शन पूजन कर रहे हैं, लेकिन अब राम मंदिर ट्रस्ट प्रभु राम के गर्भ गृह में अब ड्रेस कोड लागू करने पर विचार कर रहा है। यह ड्रेस कोड पुजारी और अर्चक के लिए लागू होगा। सूत्रों के मुताबिक राम मंदिर के पुजारी और अर्चक एक ही ड्रेस में नजर आएंगे। इतना ही नहीं राम मंदिर ट्रस्ट की मंशा है कि प्रभु राम की सेवा आराधना करने वाले पुजारी व अर्चक और सेवादार एक ड्रेस में नजर आएं। आपको बताते चलें कि ड्रेस कोड को लेकर पुजारी चौबंदी साफा और धोती कुर्ता पीला कलर का धारण करेंगे। इसके साथ ही रामलला के परिसर में कार्यरत अन्य कर्मचारियों का भी ड्रेस कोड राम मंदिर ट्रस्ट जल्द ही लागू करने का विचार कर रहा है। प्रभु राम की सेवा करने के लिए अब पुजारियों की शिफ्ट वाइज ड्यूटी भी लगायी जाएगी। यानी कि एक सहायक पुजारी के साथ में 5 अर्चक नियुक्त किए जाएंगे। जिसकी प्रक्रिया आगामी 1 से 2 दिन में पूरी कर ली जाएगी। राम मंदिर ट्रस्ट से मिली जानकारी के मुताबिक अर्चक और पुजारी प्रभु राम की सेवा आराधना करने के दौरान एंड्रॉयड फोन नहीं ले जा सकेंगे। राम मंदिर के सहायक पुजारी अशोक उपाध्याय ने बताया कि राम मंदिर ट्रस्ट और पुजारियों में आपस में चर्चा चल रही थी कि पुजारी के लिए एक अलग ड्रेस होना चाहिए। जिसमें धोती और साफा हो वह भी पीले कलर का हो। इसके अलावा राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा प्रशिक्षण कराए जाने वाले अर्चकों की भी अब नियुक्ति राम मंदिर में की जाएगी। जिसमें एक वरिष्ठ पुजारी 5 सहायक पुजारी और एक सहायक पुजारी के साथ 5-5 अर्चक प्रभु राम की सेवा व आराधना करेंगे और उनकी ड्यूटी भी शिफ्ट के अनुसार लगाई जाएगी। वहीं भगवान राम की पूजा में कोई बदलाव नहीं होगा। जैसे प्रभु राम की पूजा आराधना अभी हो रही है वैसे ही पूजा आराधना होती रहेगी। साथ ही गर्भ ग्रह में अब कोई भी पुजारी या अर्चक एंड्रॉयड फोन नहीं ले जा सकेगा।

6 जुलाई को कांग्रेसी सीएम से मिल सकते हैं नायडू

हैदराबाद । आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने राज्य के विभाजन से उत्पन्न मुद्दों के समाधान के लिए अपने तेलंगाना समकक्ष रेवंत रेड्डी के साथ आमने-सामने बैठक का प्रस्ताव रखा है। नायडू ने 6 जुलाई को हैदराबाद में रेड्डी के आवास पर एक बैठक का प्रस्ताव रखा है। सीएम रेड्डी को लिखे अपने पत्र में नायडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की निरंतर प्रगति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए तेलुगु भाषी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के लिए घनिष्ठ सहयोग को बढ़ावा देना जरुरी है। नायडू ने पत्र में कहा कि तत्कालीन आंध्र प्रदेश के विभाजन को 10 साल हो गए हैं। पुनर्गठन अधिनियम से उत्पन्न मुद्दों पर कई बार चर्चा हुई है, जो हमारे राज्यों के कल्याण और उन्नति के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ रखते हैं। दरअसल, कांग्रेस में जाने से पहले रेड्डी टीडीपी में थे और नायडू के विश्वासपात्र थे। नायडू का प्रस्ताव उस समय में आया है जब हैदराबाद को दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी बनाने के लिए आंध्र पुनर्गठन अधिनियम, 2014 द्वारा निर्धारित समय सीमा समाप्त हो गई है। हैदराबाद अब तेलंगाना की राजधानी होगी। आंध्र प्रदेश में अभी तक कोई राजधानी नहीं है। टीडीपी ने कहा है कि वह अमरावती को राज्य की राजधानी के रूप में विकसित करेगी। पिछली वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार ने टीडीपी के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था और तीन-पूंजी का प्रस्ताव रखा था। प्रस्ताव के अनुसार, अमरावती विधायी राजधानी, कुरनूल न्यायिक राजधानी और विशाखापत्तनम प्रशासनिक राजधानी होगी। हालाँकि, यह विफल रहा।

राहुल गांधी पर संघ और विहिप का पलटवार, अभी भी सीटों में भाजपा से पीछे

नई दिल्ली । हिंदुत्व को हिंसा से जोड़ने संबंधी कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन जारी है। मांग हो रही है कि राहुल गांधी अपनी अमर्यादित टिप्पणी पर माफी मांगें लेकिन राहुल गांधी कह रहे हैं कि उन्होंने सभी हिंदुओं के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। दूसरी ओर, राहुल गांधी के बयान को लेकर जारी सियासी बवाल के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद का बयान आया है। संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी सुनील अंबेकर ने कहा, महत्वपूर्ण पदों पर आसीन लोगों द्वारा हिंदुत्व को हिंसा से जोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण है। चाहे विवेकानंद का हिंदुत्व हो या महात्मा गांधी का, यह सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है। उधर, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अध्यक्ष आलोक कुमार ने भी राहुल गांधी की टिप्पणियों की निंदा कर कहा कि अगर कांग्रेस नेता सोचते हैं कि उनकी पार्टी हिंदुओं को 'अपमानित' करके वोट प्राप्त करेगी, तब उन्हें याद रखना चाहिए कि लोकसभा की जीती गई सीट के मामले में वे भाजपा से काफी पीछे है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार के हत्याकांड में शार्पशूटर नीरज कुमार सहानी के साथ मिलकर हत्या करने वाला सुधांशु हजीरा से गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

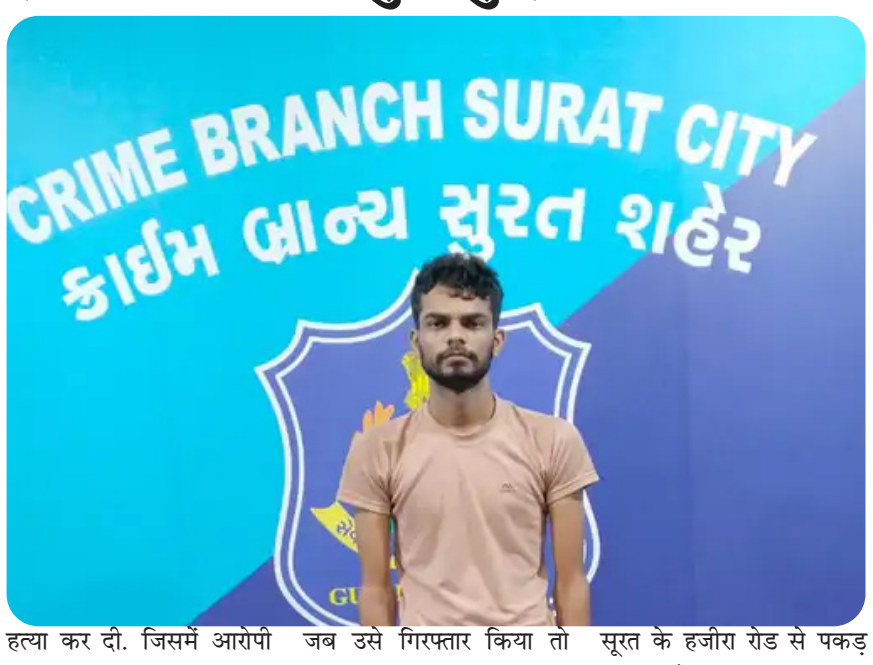

सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र के मूल निवासी २४ वर्षीय सुधांशु भगवान सिंह भूमिहार को सूरत हजीरा रोड से पकड़ा. पुलिस के अनुसार, बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र के मूल निवासी मृतक हिमांशुकुमार सुधीरकुमार ठाकुर, जो २०१३ से हत्या के आरोप में जेल में था, जेल से बाहर आने के बाद अरुणाचल प्रदेश में बस गए. लेकिन ५ मई २०२४ को शार्पशूटर नीरज कुमार सहानी और सुधांशु सिंह ने अपने गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर १२ मई २०२४ को अपने गांव में पुरानी दुश्मनी के कारण उनकी गोली मारकर हत्या कर दी. जिसमें आरोपी नीरजकुमार सिंह विशुनदेव सहानी को पुलिस ने पकड़ लिया है, जिस पर बिहार पुलिस ने २५ हजार का इनाम भी घोषित किया था. आरोपी नीरज कुमार सिंह शार्प शूटर के रूप में जाना जाता था. पुलिस ने जब उसे गिरफ्तार किया तो उसके पास से एक किलो मादक पदार्थ चरस और एक पिस्तौल भी बरामद हुई. जब इस अपराध में सुधांशुसिंह भगवानसिंह पुलिस के पकड़ से फरार था. इसी बीच सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने उसे सूरत के हजीरा रोड से पकड़ लिया और बिहार पुलिस को सौंप देगी.

आरोपी सुधांशुसिंह भगवानसिंह अपने गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर पहले वर्ष २०१८ और वर्ष २०२२ में लोडेड पिस्तौल और घातक हथियारों के साथ एक बड़ी छापेमारी पर जाने से पहले उसे साहेबगंज पुलिस स्टेशन और सीमरी पुलिस स्टेशन में गिरफ्तार किया गया था. इसके अलावा साल २०२२ में फ्लिपकार्ट के एक डिलीवरी बॉय से लूट कि थी. इसके अलावा एक राहगीर को पिस्तौल दिखाकर नकदी और मोबाइल फोन लूट लिया था. आरोपी को लूटपाट/घातक हथियारों से हमला करने का तरीका पता है. फिलहाल इस गिरोह के सदस्यों ने हिमांशु कुमार सुधीरकुमार की गोली मारकर हत्या कर दी थी. जिस अपराध में आरोपी फिलहाल गिरफ्तार है, वह अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार था. हालाँकि, आख़िरकार सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने उसे पकड़ लिया और इसकी कस्टडी बिहार पुलिस को सौंप देगी.

कुंभारिया गांव के पादर फलिया के ५० घर पानी में डूबे, रोड पर रहने को हुए मजबूर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

क्रांति समय, सूरत, सूरत जिले में भारी बारिश के कारण नदियां और नाले उफान पर है. मांडवी, कामरेज, पलसाणा सहित गांवों का पानी भी सीधे खाड़ी में आने लगा है. जलस्तर बढ़ने से सूरत की पुणा कुंभारिया खाड़ी में पानी भर गया है. कुंभारिया गांव के पादर फलिया के करीब ५० घर कमर तक पानी में डूब गए है. बारिश का पानी भरने से स्थानीय लोग परेशान हो रहे है. सूरत की खाड़ियाँ अब दो तटों पर बहे रही है. सूरत के पुणा कुंभारिया क्षेत्र खाड़ी के करीब स्थित है. खाड़ी का जलस्तर बढ़ने से आसपास के इलाके में पानी भरता जा रहा है. कुंभारिया गांव के पादर फलिया के करीब ५० घर कमर तक पानी में डूब गए है. हर मानसून में खाड़ी के आसपास ऐसे दृश्य आम हो गए है. प्रशासन भले ही कह रहा हो कि प्री-मानसून कार्य हो चुका है, लेकिन जिले में हुई व्यापक बारिश के बाद वास्तविक स्थिति सामने आ गई है, जिससे कार्य पर सवाल उठना स्वाभाविक है.

कुंभारिया क्षेत्र में पानी की शीघ्र निकासी के लिए सूरत निगम की टीम ने काम शुरूकर दिया है. पानी का निस्तारण करना बहुत मुश्किल लग रहा है. भारी बारिश के कारण खाड़ी का जल स्तर बढ़ रहा है और दूसरी ओर, जिन इलाकों में पानी भरा हुआ है उन इलाकों से पानी को जल्दी से कैसे निकाला जाए, इसके लिए जद्दोजहद चल रही है. मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक लगातार बारिश होती रही तो आशंका है कि खाड़ी के आसपास के इलाकों में पानी भर जाएगा और स्थानीय लोगों को पलायन भी करना पड़ सकता है.

महिला छात्रावास, शिक्षण संस्थान के आसपास कोई भी पुरुष बिना उचित कारण के दिखाई दिया तो कार्रवाई की जाएगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

क्रांति समय, सूरत, सूरत शहर के पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलोत द्वारा एक महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी की गई है, अधिसूचना के अनुसार, सूरत शहर में स्कूलों, कॉलेजों, ट्यूशन कक्षाओं, कोचिंग संस्थानों और महिला छात्रावासों के आसपास ५० मीटर के सार्वजनिक सड़कों पर बिना उचित कारण के किसी भी व्यक्ति के खड़े होने या वाहन के साथ या उसके बिना बैठने पर रोक लगा दी है. शहर में कुछ मनचले स्कूल-कॉलेज जाने वाली लड़कियों और अपने काम पर जाने वाली महिलाओं के साथ-साथ अकेले जा रही महिलाओं का पीछा कर या अश्लील शब्द बोलकर या उन पर हमला करके परेशान करते है. कुछ मामलों में बलात्कार जैसी गंभीर घटनाएं भी होती है, इसलिए ऐसी घटनाओं को रोकने और महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सूरत पुलिस कमिश्नर ने एक अधिसूचना जारी कर सूरत शहर में स्कूलों, कॉलेजों, ट्यूशन कक्षाओं, कोचिंग संस्थानों और महिला छात्रावासों के ५० मीटर के भीतर सार्वजनिक सड़कों पर बिना उचित कारण के किसी भी व्यक्ति के खड़े होने या वाहन के साथ या उसके बिना बैठने पर रोक लगा दी है. यह अधिसूचना ३० अगस्त तक लागू रहेगी और इस आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी.

जिन पर यह अधिसूचना लागू नहीं होगी

१-स्कूल, कॉलेज, ट्यूशन क्लास और महिला छात्रावासों में आने वाले छात्र

२-स्कूलों, कॉलेजों, ट्यूशन कक्षाओं और महिला छात्रावासों में छोड़ने वाले ऑटो और वैन मालिक, ड्राइवर (जिनके पास पहचान पत्र है वहीं)

३-स्कूलों, कॉलेजों, ट्यूशन कक्षाओं और महिला छात्रावासों में छोड़ने और लेने के लिए आते माता-पिता

४-स्कूलों, कॉलेजों, ट्यूशन कक्षाओं और महिला छात्रावासों पर उचित कारण से आते छात्रों और अभिभावकों

जय जवान नागरिक समिति सूरत के तीन युवा कार्यकर्ताओं ने सूरत से कारगिल तक अपनी बाइक यात्रा शुरूकी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, इस वर्ष भारत द्वारा १९९९ में कारगिल युद्ध जीतने के २५ वर्ष पूरे हो रहे हैं. ऐसे में कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती को देखते हुए जय जवान नागरिक समिति सूरत के तीन युवा कार्यकर्ता एडवोकेट हरकिशन ज्याणी, एडवोकेट अंकित जाजड़िया और सागर काकड़िया सूरत से कारगिल हिल के लिए रवाना हुए हैं. मंगलवार सुबह १० बजे शहीद स्मारक, मिग २३ विमान सरथाणा, वराछा रोड से इन तीनों की बाइक यात्रा शुरू हुई.

जहां जय जवान नागरिक समिति सूरत के ट्रस्टी कांजी भलाला और भीखू टिम्बडिया, वराछा बैंक के चेयरमैन भवन नवापरा और सौराष्ट्र पटेल समाज के ट्रस्टी मनजी वाघाणी ने कारगिल बाइक यात्रा का उद्घाटन किया. सामाजिक नेता घनश्याम बिरला और वकील नितांबेन जियाणी भी उपस्थित रहे. कारगिल बाइक यात्रा के संयोजक एडवोकेट हरकिशन ने कहा कि सूरत से कारगिल यात्रा २० दिन में पूरी होगी. जय जवान नागरिक समिति और सूरत की जनता का संदेश रास्ते में पड़ने वाले आर्मी कैंप तक पहुंचाया जाएगा. कारगिल युद्ध की विजय की २५वीं वर्षगांठ के अवसर पर सूरत से कारगिल तक बाइक यात्रा का आयोजन किया गया है.

पांडेसरा जीआईडीसी के मीरा डाइंग मिल में १५ साल के एक लड़के को करंट लगने से हुई मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

क्रांति समय, सूरत, पांडेसरा जीआईडीसी में एक डाइंग मिल में काम करते समय एक नाबालिग की करंट लगने से मौत हुई. मृतक ढाई माह पहले रोजगार की तलाश में सूरत आया था और दो दिन पहले ही मिल में काम करना शुरू किया था. बता दें कि नाबालिग की उम्र महज १५ साल है. जिसे लेकर सवाल खड़े हो गए है. साथ ही पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार पांडेसरा जीआईडीसी इलाके में मीरा डाइंग मिल में काम कर रहे एक पंद्रह वर्षीय नाबालिग की करंट लगने से मौत हो गई. इस संबंध में मृतक के पिता गंगाराम यादव ने कहा, मैं पांडेसरा गणेश नगर में रहता हूं और मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला हूं, वर्तमान में मेरा १५ वर्षीय पुत्र बलराम गंगाराम यादव, जो ढाई माह पहले सूरत आया था, मेरे साथ रह रहा था. फिलहाल दो दिन से वह पांडेसरा जीआईडीसी में मीरा डिंग मिल में काम कर रहा था. कल शाम ५.२५ बजे उसे करंट लग गया. मशीन पकड़ने के दौरान करंट लगने से उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया था. इसके बाद तुरंत न्यू सिविल अस्पताल लाया गया. जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

१५ वर्षीय बलराम गंगाराम यादव ढाई महीने पहले रोजगार की तलाश में अपने गृहनगर से सूरत आया था और दो दिन पहले ही मीरा डाइंग मिल कंपनी में काम शुरू किया था. उसकी मौत के बाद परिवार में मातम का माहौल है. गौरतलब है कि मृतक की उम्र १५ साल है, जबकि पांडेसरा इलाके में कई और बाल मजदूर भी हो सकते है. फिलहाल पुलिस ने शव को पीएम कर आगे की जांच कर रही है.

पांडेसरा जीआईडीसी के मीरा डाइंग मिल में १५ साल के एक लड़के को करंट लगने से हुई मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

क्रांति समय, सूरत, अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा मंगलवार को सिटी-लाइट स्थित एसएमसी की अग्रसेन शाला नंबर १६० एवं ३३७ में बच्चों के साथ किड्स फ़न डे का आयोजन किया गया. महिला शाखा की अध्यक्षा शालिनी कानोडिया ने बताया कि आयोजन में बच्चों के किए मैजिक शो, जंपिंग, स्टोरी टेलिंग, फ़न गेम, ज्यूस, नाश्ता आदि का आयोजन किया गया. आयोजन में बच्चों ने हिस्सा लिया. इस मौक़े पर महिला शाखा की दीपा, अरुणा, सीमा, आरती मित्तल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं.